उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-40)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 06 नवंबर, 2023

▶कुशाग्र के हत्यारों को फासी दो की मांग को लेकर निकाला कैंडल मार्च ▶ पटाखा व्यापारियों ने महापौर को बताई अपनी पीड़ा ▶ रामानंद बने सिनेमा, टीवी की किवंदंती

न्यूज संक्षिप्त

गाजा बमबारी रोकने की मांग, फ्रांस और जर्मनी समेत कई देशों में प्रदर्शन

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस, जर्मनी की राजधानी बर्लिन और अन्य यूरोपीय शहरों में फलस्तीनी समर्थक हजारों लोगों ने गाजा में इजराइली बमबारी रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन इजराइल-हमास युद्ध में हताहतों की बढ़ती संख्या और गहराते मानवीय संकट को लेकर यूरोप के खासकर उन देशों में बढ़ रहे असंतोष को दर्शाते हैं, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है। गाजा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल-हमास युद्ध में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 9,448 हो गई है। गाजा में 24,173 और वेस्ट बैंक में 2,200 फलस्तीनी घायल हुए हैं। इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई।

दिल्ली एनसीआर में गंभीर स्थिति में पहुंच प्रदूषण

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ती प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्राफ का चौथा चरण लागू करने का फैसला किया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने वायु गुणवत्ता में अधिक गिरावट आने से रोकने के लिए जीआरपी के चौथे चरण के अनुसार 8 सूत्रीय कार्य योजना को लागू कर दिया है। दिल्ली और एनसीआर में तत्काल प्रभाव से इसे लागू किया गया है।दिल्ली में आवश्यक सामान ले जाने वाले सभी इंग सीएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रैकों के अलावा किसी अन्य ट्रक को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इलेक्ट्रिक व्हीकल सीएनजी बीएस डूडू डीजल के अलावा दिल्ली के बाहर से पंजीकृत छोटी गाड़ियों को दिल्ली में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

हजारों लोग हुए बेघर, सड़कों पर रहने को मजबूर

काठमांडू। नेपाल में भूकंप के कारण कम से कम 157 लोगों की मौत होने और बड़ी संख्या में मकानों के क्षतिग्रस्त या नष्ट होने के कारण देश के पश्चिमोत्तर हिस्से के पर्वतीय गांवों में हजारों लोगों को कड़ाके की ठंड के बावजूद शनिवार रात को बाहर सड़कों पर सोना पड़ा। नेपाल में शुक्रवार रात अचानक आए भूकंप से जाजरकोट जिले के गांवों में अधिकतर मकान या तो ढह गए या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि कस्बों में कंक्रीट के कुछ मकान क्षतिग्रस्त हो गए। चिउरी गांव के निवासी लाल बहादुर बीका ने भूकंप के कारण मारे गए 13 लोगों के सफेद कपड़ों में लिपटे शवों की ओर इशारा करते हुए कहा, ''हम अपने गांवों में मारे गए।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हराया

कोहली के शतक के बाद जडेजा ने पांच विकेट लिए

नई दिल्ली विश्व कप 2023 के 37वें मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हरा दिया है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 326 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 83 रन बना सकी और भारत ने इस टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एक और आसान जीत हासिल की।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हरा दिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया के अजेय रहने का सिलसिला जारी है। भारत लगातार आठ जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है और अब यह भी तय हो गया कि भारत शीर्ष पर ही रहेगा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, यह टीम भी पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन यह हार दक्षिण अफ्रीका के मनोबल के लिए बेहद नुकसानदेह होगी।

इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट खोकर 326 रन बनाए। भारत के लिए सबसे ज्यादा नाबाद 101 रन विराट कोहली ने बनाए। उन्होंने वनडे में 49वां शतक लगाया और सचिन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। श्रेयस अय्यर ने 77 और कप्तान रोहित ने 40 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए एडेन मार्करम को छोड़ सभी गेंदबाजों ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 83 रन बना सकी। सबसे ज्यादा 14 रन मार्को यानसेन ने बनाए। उनके अलावा डुसेन ने 13 रन और बावुमा-मिलर ने 11-11 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी अफ्रीकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने पांच विकेट लिए। मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया।

79 रन पर दक्षिण अफ्रीका के नौ विकेट गिर गए हैं। कगिसो रबाडा 26 गेंद में छह रन बनाकर आउट हुए। रवींद्र जडेजा ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच पकड़ा। यह इस मैच में उनकी पांचवीं सफलता है।

67 रन पर दक्षिण अफ्रीका का सातवां विकेट गिरा है। केशव महाराज 11 गेंद में सात रन बनाकर आउट हो चुके हैं। रवींद्र जडेजा ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। अब कगिसो रबाडा और मार्को यानसेन क्रीज पर हैं। 20 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 69/7 है।59 रन पर दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट गंवा दिए हैं। डेविड मिलर 11 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हुए। रवींद्र जडेजा ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। इस मैच में यह उनकी तीसरी सफलता है। अब मार्को यानसेन और केशव महाराज क्रीज पर हैं। 40 रन के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका के पांच विकेट गिर चुके हैं। मोहम्मद शमी ने डुसेन को विकेटों के सामने फंसाया। उन्होंने 32 गेंद में 13 रन बनाए। भारत ने एक बार फिर रिव्यू लेकर विकेट हासिल किया। अब डेविड मिलर के साथ मार्को यानसेन क्रीज पर हैं। 14 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 42/5 है।

40 रन पर दक्षिण अफ्रीका के चार विकेट गिर चुके हैं। रवींद्र जडेजा ने हेनरिक क्लासेन को आउट किया।

उन्होंने 11 गेंद में एक रन बनाए। जडेजा ने रिव्यू लेकर यह विकेट हासिल किया।

रोहतक में बोले केजरीवाल

भ्रष्टाचार के खिलाफ पीएम मोदी की लड़ाई 'नौटंकी'

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को 'नौटंकी' करार दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिन पर गलत कार्य करने का आरोप लगाती है, उन्हें पार्टी में शामिल होने पर मंत्री पद से सम्मानित करती है।आप' नेता ने कहा, ''कौन भ्रष्ट है? भ्रष्ट वे नहीं हैं, जिन्हें ईडी पकड़ती है और सलाखों के पीछे भेज देती है। भ्रष्ट वे हैं जो ईडी के डर से भाजपा में शामिल हो जाते हैं। जिन्हें ईडी पकड़ती है लेकिन वे भाजपा में शामिल नहीं होते वे कट्टर ईमानदार हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि आज नहीं तो कल वे बाहर आ जाएंगे।''केजरीवाल ने कहा, ''लेकिन जो बेइमानी में संलिप्त हैं वे जानते हैं कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया तो पूरी जिंदगी कारागार में बितानी होगी, इसलिए तुरंत भाजपा में शामिल हो जाते हैं। इसलिए समझिए कि कौन भ्रष्ट है और कौन ईमानदार है।'' ईडी ने हाल में केजरीवाल को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में पूछताछ और धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था।

एसएफजे मुखिया पन्नू की धमकी, अब बढ़ाई जाएगी एयर इंडिया फ्लाइट की सुरक्षा

प्रतिबंधित सिख संगठन सिख फॉर जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत को एक बार फिर से धमकी दी है। शनिवार को धमकी देते हुए पन्नू ने कहा था कि सिख समुदाय से ताल्लुक रखने वाले लोग 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट में सफल न करें। ऐसा करना उनकी जान के लिए मुश्किल भरा हो सकता है।गुरपतवंत सिंह पन्नू की इस धमकी के बाद भारत कनाडा आने जाने वाली फ्लाइट की सुरक्षा को बढ़ाने का फैसला किया गया है। इस संबंध में एयर इंडिया की फ्लाइट की सुरक्षा व्यवस्था में बढ़ोतरी करने के लिए भारत कनाडा के अधिकारियों से बातचीत भी करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक इटावा में भारत के उच्च आयुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि हम कनाडा से आने जाने वाले एयर इंडिया की फ्लाइट में संभावित खतरे को देखते हुए कनाडाई अधिकारियों से मिलेंगे। उनके सामने ये मुद्दा उठाएंगे। भारत और कनाडा के बीच द्वीपक्षीय नागरिक उड्डयन समझौते में इस तरह के खतरों से निपटने के नियम भी दिए गए है।

जम्मू में बड़े धमाके की साजिश नाकाम, टिफिन में बंद 2 किलो आईईडी मिला, बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर- जम्मू में सेना के जवानों ने एक बड़े धमाके को अंजाम देने वाली साजिश को नाकाम कर दिया है। सिधरा में शनिवार देर शाम सेना के जवानों ने तलाशी अभियान में एक टिफिन में बंद 2 किलोग्राम के आईडी बम को बरामद किया है। जिसके बाद समय रहते उसे निष्क्रिय कर दिया गया। अब सेना ने जम्मू में सुरक्षा बढ़ा दी है। बता दें कि विस्फोटक की जानकरी मिलते ही जम्मू कश्मीर पुलिस और सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया।बता दें कि बीते एक हफ्ते में आतंकवादियों ने घाटी में तीन टार्गेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम दिया है। जिसमें एक प्रवासी मजदूर और एक जम्मू कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल की मौत हुई है। जबकि आतंकियों ने एक इंस्पेक्टर को गोली मारकर घायल किया था। इसमें बीते मंगलवार को आतंकियों ने बारामूला जिले के वेलू क्रालपोरा निवासी हेड कांस्टेबल मोहम्मद डार पर उनके आवास के बाहर गोलीबारी की, जो इलाज के दौरान शहीद हो गए। वहीं सोमवार को दहशतगर्दों ने यूपी के रहने वाले एक मजदूर मुकेश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके अलावा आतंकियों ने रविवार को श्रीनगर के ईदगाह इलाके में कश्मीर पुलिस के इंस्पेक्टर मसरूर अहमद पर फायरिंग कर उन्हें घायल कर दिया था।

डेढ़ सेमी प्रति साल बढ़ रही हिमालय की चोटी, अभी और लग सकते हैं झटके; विशेषज्ञों ने जताई संभावना

गोरखपुर । विशेषज्ञों के मुताबिक, हिमालय क्षेत्र में पृथ्वी की इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट, यूरेशियन प्लेट के नीचे दबती जा रही है और इससे हिमालय ऊपर उठता जा रहा है। हिमालय की ऊंचाई प्रति वर्ष लगभग 1.5 सेमी बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य में भूकंप के उच्च तीव्रता वाले भूकंप आने की संभावना है।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपक प्रसाद के मुताबिक, हिमालय की तलहटी पर बसे नेपाल के नीचे दो बड़े टेक्टोनिक प्लेट हैं। इसमें एक इंडो-ऑस्ट्रेलियन और दूसरा यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट है। जब इन दोनों प्लेटों की टक्कर होती है, तो नेपाल में भूकंप के झटके आते हैं। इसके चलते ही दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत समूह का निर्माण होता है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी का सबसे ऊंचा और लंबा पर्वत हिमालय, नेपाल को पश्चिम से पूर्व पार करता है। नेपाल का एक बड़ा हिस्सा समुद्र तल से 3,000 मीटर से अधिक ऊंचा है, उच्चतम बिंदु समुद्र तल से 8,848 मीटर ऊपर है।

प्लेट टेक्टोनिक की स्थिति यह है कि दो महाद्वीपीय प्लेटें (इंडियन प्लेट एवं यूरेशियन प्लेट) एक-दूसरे की ओर बढ़ रही हैं, यह पृथ्वी पर अद्वितीय है। डॉ. प्रसाद के मुताबिक, आमतौर पर एक समुद्री प्लेट महाद्वीपीय प्लेट से टकराती है, जैसे दक्षिण अमेरिका में एंडीज में, लेकिन उपरोक्त दोनों महाद्वीपीय प्लेटों का घनत्व लगभग समान है। इसलिए संपूर्ण क्षेपण (सबडक्शन) संभव नहीं है और दोनों भूभाग ऊपर की ओर धकेले जाते हैं। भारत में प्रति वर्ष 20 सेमी के प्रवाह वेग के साथ 6,000 किमी की कुल दूरी तक प्रवाह प्रारंभ हुआ। वर्तमान में भी दोनों महाद्वीप एक-दूसरे की ओर बढ़ रहे हैं।

जेल में बंद बसपा नेता के गैंगस्टर भाई पर भी पुलिस ने कसा शिकंजा

फर्रुखाबाद।उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में बसपा नेता डॉक्टर अनुपम दुबे के भाई पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज होने के बाद अब फरार भाई के मकान की कीमत का आकलन किया जा रहा है। राजस्व कर्मियों के साथ स्थानीय थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। जहां मकान का मूल्यांकन किया गया। मामला फतेहगढ़ क्षेत्र के दालमंडी मोहल्ले का है। मऊ दरवाजा थाना के सिविल लाइन चौकी इंचार्ज रक्षा सिंह भी अपनी टीम के साथ मौजूद थे। आगरा जेल में बंद बसपा नेता अनुपम दुबे का भाई अनुराग दुबे उर्फ डब्बन के खिलाफ फतेहगढ़ कोतवाली में गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ है।

संपादकीय

रफ्तार के हादसे

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब हम अखबारों में बड़े भीषण सड़क हादसों की खबरें न पढ़ते हों। हर साल डेढ़ लाख से अधिक निर्दोष लोग इन दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जो किसी परिवार की उम्मीद होते हैं। किसी घर की अर्थव्यवस्था की धुरी होते हैं। दरअसल, यह एक मौत नहीं होती, परिवार के कई लोग जीते-जी मर जाते हैं। परिवार के कुछ लोग जीवन पर्यंत इन हादसों से नहीं उबर पाते। बुधवार की मध्यरात्रि पंजाब में संगरूर के सुनाम-मैहलां रोड पर एक भीषण दुर्घटना में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। प्रदूषण जनित धुंध, टैंकर की गति व कार की ओवरटेक करने की कोशिश में यह भयावह हादसा हुआ। इससे पहले पटियाला में एक हादसे में एक एमबीबीएस के छात्र का सिर धड़ से अलग होने के समाचार ने विचलित किया। परिवहन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट बढ़ते सड़क हादसों की हकीकत बयां करती है। यह बेहद चिंता की बात है कि 2022 में 2021 के मुकाबले सड़क हादसों में बारह फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं मरने वालों का प्रतिशत 9.4 फीसदी बढ़ा है। कितनी दुखद स्थिति है कि हर घंटे 53 दुर्घटनाएं होती हैं और हर घंटे 19 निर्दोष लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विडंबना यह है कि घायलों की संख्या में भी पंद्रह फीसदी की वृद्धि हुई है। भारत दुनिया में ऐसा देश बनता जा रहा है जहां सबसे ज्यादा सड़क हादसे और मौतें होती हैं। विडंबना यह कि दुर्घटनाओं की मुख्य वजह वाहनों की तेज गति है। जैसे-जैसे बेहतर चौड़ी सड़कें बन रही हैं सड़क हादसों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में भारत दुनिया में अव्वल बनता जा रहा है। दुखद स्थिति यह कि मरने वाले 45 फीसदी लोग दुपहिया वाहन चला रहे थे। जो बताता है कि हमारी सड़कों पर चलना कितना असुरक्षित बनता जा रहा है।कोई भी व्यक्ति राष्ट्र की बहुमूल्य संपत्ति होता है। इन दुर्घटनाओं में मरने वाले अधिकांश लोग हमारी कार्यशील आबादी का हिस्सा होते हैं। परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले लोगों में 67 प्रतिशत लोग युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिनकी आयु 18 से 45 साल के बीच होती है। इन कामकाजी वर्ग के लोगों की मौत से इनका परिवार भी गहरे आर्थिक संकट में चला जाता है क्योंकि ये परिवार की आय का जरिया होते हैं। पिछले साल घायल होने वालों की संख्या में पंद्रह फीसदी की वृद्धि हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। जाहिरा तौर पर इन हादसों के मूल में जहां तेज रफ्तार मुख्य कारण है, वहीं गलत ओवर टेकिंग, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट न बांधना व रांग साइड चलना भी बड़ी वजह है। वहीं त्रुटिपूर्ण सड़कें, तीव्र मोड़ व सड़कों में गड्ढे भी हादसों की वजह बनते हैं। दरअसल, लगातार हाईवे और एक्सप्रेसवे बनने से वाहनों की रफ्तार खासी तेज हुई है। सरकारों की तरफ से लगातार दावे किये जाते हैं कि अब फलां जगह पहुंचना इतने घंटे कम हुआ। इस जल्दी ने चालकों को अनियंत्रित गति का थ्रिल महसूस करने का भी मौका दिया है। युवा पीढ़ी समय बचाने के लिये भागमभाग में लगी है।

पहले चरण में बस्तर-दुर्ग से रण का आगाज़

वह भी इन क्षेत्रों को मथने का प्रयास कर रही है। बस्तर दुर्ग में जमीन, जंगल व कृषि के सवाल ही अहम रहे। सियासी दलों के गुणा-भाग भी इन्ही मुद्दों के आसपास रहे। बस्तर क्षेत्र में कांग्रेस का प्रभाव रहा। पहले जनसंघ और फिर आपातकाल के बाद बनी भाजपा ने अविभाजित मध्यप्रदेश के इन दुर्गों को ढहाने की बहुत कोशिश की। लेकिन बस्तर कांग्रेस के प्रभाव में रहा तो दुर्ग के किले अजित जोगी ने थामें रखे। इससे पहले लंबे समय तक दुर्ग की सियासत पर कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा का प्रभाव बना रहा।आखिर छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहले चुनाव में बीजेपी ने बस्तर में कांग्रेस को पूरी तरह धराशायी कर यहां की सभी बारह सीटों पर जीत हासिल कर अपना परचम फहराया। बीजेपी को राज्य में जो 50 सीटें हासिल हुई थीं, उसमें एक-तिहाई से ज्यादा 15 सीटें इसी बस्तर-दुर्ग क्षेत्र से हासिल हुई थीं।

एक तरह से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का आगाज छत्तीसगढ़ के बस्तर व दुर्ग की बीस सीटों के चुनाव के साथ ही हो जाएगा। पांच राज्यों में छत्तीसगढ़ अकेला राज्य है जहां दो चरणों में चुनाव है। जहां राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एक ही दिन में चुनाव संपन्न होने हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में सुरक्षा कारणों से 90 सीटों का मतदान दो अलग-अलग चरणों में है। वैसे सात नवंबर को मिजोरम में भी मतदान होना है। लेकिन चुनाव का खास फोकस छत्तीसगढ़ के बस्तर दुर्ग के इलाकों में है। यहां बस्तर की बारह और दुर्ग क्षेत्र की आठ सीटों पर मतदान होना है। बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर व कांकेर नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र रहे हैं। लेकिन धीरे-धीरे इसका प्रभाव कम होता दिख रहा है। इसे इन क्षेत्रों में बढ़ते मतदान प्रतिशत से भी देखा जा सकता है। जहां 2003 में बस्तर क्षेत्र में 65 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहां पिछली बार 2018 में यहीं मतदान 75 प्रतिशत हुआ है। नब्बे के दशक में चालीस-पैंतालीस प्रतिशत मतदान भी बहुत मान लिया जाता था। छत्तीसगढ़ की नब्बे सीटों में बस्तर, दुर्ग की 20 सीटें आती हैं। बस्तर की बारह सीटों में 11 एसटी के तहत आती हैं। एक एसटी सीट दुर्ग की है। कहा यही जाता है कि छत्तीसगढ़ की सत्ता की चाबी बस्तर-दुर्ग से आती है। बस्तर दुर्ग का क्षेत्र अलग-अलग कारणों से हमेशा सुर्खियों में रहा है। सियासत में इसका महत्व रहा है। कभी बस्तर पर कांग्रेस का प्रभाव रहता था। फिर बीजेपी ने 2003 में इसमें सेंध लगाई। रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की सत्ता 15 साल बनी रही। एक बार फिर कांग्रेस ने इस चक्र को तोड़ा। छत्तीसगढ़ की सत्ता के साथ-साथ बस्तर दुर्ग में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए कांग्रेस-भाजपा में संघर्ष हो रहा है। बस्तर दुर्ग के इलाकों का सियासी महत्व इस बात पर भी है कि दुर्ग की राजनांदगांव की सीट पर बीजेपी नेता रमन सिंह चुनाव लड़ते हैं, वहीं चित्रकोट की प्रतिष्ठित सीट पर कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष सांसद दीपक बैज को ही चुनाव में उतारा है। बस्तर-दुर्ग के इन इलाकों में आदिवासी दलित मतदाताओं की संख्या को देखते हुए यूपी से उतरी पार्टी बसपा भी अपनी संभावनाएं देखती है और यहां की स्थानीय क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की कोशिश करती है। यही स्थिति आप पार्टी की भी है। वह भी इन क्षेत्रों को मथने का प्रयास कर रही है। बस्तर दुर्ग में जमीन, जंगल व कृषि के सवाल ही अहम रहे। सियासी दलों के गुणा-भाग भी इन्ही मुद्दों के आसपास रहे। बस्तर क्षेत्र में कांग्रेस का प्रभाव रहा। पहले जनसंघ और फिर आपातकाल के बाद बनी भाजपा ने अविभाजित मध्यप्रदेश के इन दुर्गों को ढहाने की बहुत कोशिश की। लेकिन बस्तर कांग्रेस के प्रभाव में रहा तो दुर्ग के किले अजित जोगी ने थामें रखे। इससे पहले लंबे समय तक दुर्ग की सियासत पर कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा का प्रभाव बना रहा।आखिर छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहले चुनाव में बीजेपी ने बस्तर में कांग्रेस को पूरी तरह धराशायी कर यहां की सभी बारह सीटों पर जीत हासिल कर अपना परचम फहराया। बीजेपी को राज्य में जो 50 सीटें हासिल हुई थीं, उसमें एक-तिहाई से ज्यादा 15 सीटें इसी बस्तर-दुर्ग क्षेत्र से हासिल हुई थीं। डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी ने अगला विधानसभा चुनाव भी जीता। साथ ही बीजेपी के मत-प्रतिशत में भी बढ़ोतरी हुई। इस बार भी कांग्रेस नई बनी पंडरिया, खुज्जी, मोहला, मानपुर और कोंटा की सीट जीत सकी। लेकिन राजनादगांव की सीट रमन सिंह के सामने गंवा दी। वर्ष 2013 के चुनाव में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की हैट्रिक जरूर बनी। लेकिन कांग्रेस की चुनौती सामने आई। कांग्रेस ने बस्तर की आठ सीटें जीतीं। बीजेपी केवल चार सीट जीत सकी। भाजपा की दूसरे क्षेत्रों की सीटों के सहारे ही सरकार बनी। बीजेपी की सीटें लगभग पिछले आंकड़ों पर 49 बनी रहीं। 2018 में कांग्रेस ने 43 प्रतिशत मत लेकर 68 सीटें हासिल की। बीजेपी तब 15 में ही सिमट गई। कांग्रेस ने बस्तर की 12 में 11 सीटें हासिल कीं। बाद में उपचुनाव में कांग्रेस ने बारहवीं सीट भी हासिल कर ली।दुर्ग और बस्तर के किले ढह गए। इसे इस बात से समझा जा सकता है कि सीएम रमन सिंह की राजनांदगांव और दंतेवाड़ा की सीट ही बीजेपी बचा सकी। दरअसल, छत्तीसगढ़ के इस क्षेत्र में बीजेपी के लिए जो परिणाम 2013 में आए थे, उस संकेत को बीजेपी समझ नहीं पाई। आदिवासियों में जो नाराजगी थी उसे बीजेपी ने साधने की कोशिश नहीं की। खासकर नौकरशाही के प्रति लोगों की शिकायत का चुनाव पर सीधा असर पड़ा। कांग्रेस अपने मुद्दों को ज्यादा ठोस तरीके से जनता तक ले गई। तीन बार की सरकार का इंटर इनकम्बेंसी को भी कांग्रेस ने भुनाया। एमएसपी की कमजोर दरों को लेकर भी रोष रहा। माना गया कि वामपंथी ताकतों ने भी पूरा जोर बीजेपी को हराने और कांग्रेस को जिताने पर लगाया। पिछला चुनाव कांग्रेस ने बेहतर रणनीति के साथ लड़ा। छत्तीसगढ़ में चुनाव के लिए पहले चरण में बीजेपी ने जहां पिछली गलतियों से सबक लेकर सावधानी से कदम उठाया है, वहीं कांग्रेस भूपेश बघेल सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का खाका जनता के सामने रख रही है। बस्तर-दुर्ग के इलाकों में जोरदार संघर्ष है। बीजेपी ने एक बार फिर आदिवासियों के क्षेत्र में पैठ बनाने की कोशिश की है। छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव के पहले चरण का रण बस्तर और दुर्ग के उन इलाकों में है, जहां बीजेपी अपने पुराने गढ़ों को फिर से पाने की मशक्कत कर रही है। बस्तर के क्षेत्र पर ध्यान दिया जा रहा है। बीजेपी ने चुनाव के लिए रमन सिंह को चेहरा तो नहीं बनाया लेकिन रमन सरकार के 15 सालों के काम भी गिनाए जा रहे हैं। साथ ही लोगों को बताया जा रहा है कि केंद्र में मोदी सरकार के चलते माओवादी हिंसा थमी है। इस बार इन क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन का मुद्दा अंदर ही अंदर सुलग रहा है। बस्तर में बीजेपी ने चार पूर्व मंत्रियों को फिर से टिकट दिया है। बस्तर से बीजेपी ने आठ नए चेहरे मैदान में उतारे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी सीधे अपने नाम पर वोट मांग रहे हैं। वहीं कांग्रेस के लिए बेशक राहुल गांधी-प्रियंका स्टार प्रचारक कहे जा रहे हों लेकिन असली कमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ही थामी है। कांग्रेस ने भी हर वर्ग के मतदाताओं को साधने की कोशिश की है। सीएम बघेल अपने शासन की उपलब्धियों को जनता के सामने रख रहे हैं। इन क्षेत्रों में आदिवासियों को प्रभावित करने की कोशिश हुई हैं। तेंदुपत्ता खरीद दरों पर चार हजार रुपया प्रति बोरी बढ़ाया गया है। कांग्रेस की गारंटियों की भी खासी चर्चा है। कांग्रेस ने भी बीजेपी की तर्ज पर चित्रकोट की सीट पर सांसद दीपक बैज को चुनाव लड़ाया है। कांग्रेस ने बस्तर में अपने 12 प्रत्याशियों में से सात को फिर से मौका दिया है। चित्रकोट, दंतेवाड़ा, अंतकोट और कांकेर में कांग्रेस ने प्रत्याशी बदले हैं।

टिकट कटने पर बोले नेता, अंगूर खट्टे हैं..!

पंकज कुमार मिश्रा, मिडिया विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

साल 2018 के विधानसभा चुनाव में यूनुस खान टोंक से सचिन पायलट के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। यूनुस खान का पार्टी छोड़ना बीजेपी के लिए बड़ा झटका साबित माना जा रहा।टिकट बटवारे के सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। राजस्थान विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस की केंदीय चुनाव समिति ने 5 वीं सूची जारी किया है जिसमें ना गहलोत और ना पायलट की चली आलाकमान ने जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी है।

किसी का कटा टिकट तो किसी ने बदला पाला। अब देखिये क्या होता है चुनाव परिणाम और क्या है राजस्थान में चुनावी चकल्लस के अंदर की कहानी ! चुनाव में भाजपा कांग्रेस और लोकल पार्टियों में किसका पलड़ा हुआ भारी, किसकी कैसी तैयारी। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल बढ़ गई। बीजेपी की लिस्ट में कई नेताओं के नाम नदारद होने के बाद घमासान के बाद कांग्रेस में भी नाराजगी की हवा। अब खबर है कि वसुंधरा राजे के कट्टर समर्थक और पूर्व परिवहन मंत्री यूनुस खान कांग्रेस जॉइन करने जा रहे हैं। वह इसके लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। उनके साथ बीजेपी के कई बड़े नेता हैं। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में यूनुस खान टोंक से सचिन पायलट के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। यूनुस खान का पार्टी छोड़ना बीजेपी के लिए बड़ा झटका साबित माना जा रहा।टिकट बटवारे के सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। राजस्थान विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस की केंदीय चुनाव समिति ने 5 वीं सूची जारी किया है जिसमें ना गहलोत और ना पायलट की चली आलाकमान ने जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी है। जिससे आम कार्यकर्ता और कांग्रेस के नेतागण काफी हतप्रभ हैं और वे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से नाखुश है।प्रदेश की राजनीति से जुडी बड़ी खबर, बसेड़ी से टिकट कटने पर विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने दिया राजस्थान एससी/एसटी आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दें दिया , कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को बैरवा ने भेजा इस्तीफा, टिकट कटने से नाराज हैं खिलाड़ी लाल बैरवा, खिलाड़ी लाल बैरवा माने जाते है सचिन पायलट के करीबी, प्रेस वार्ता करते हुए बैरवा ने कहा- कुर्सी किसी की परमानेंट नहीं होती, मैंने धारीवाल के उस बयान का विरोध किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि कौन होता आलाकमान ? पार्टी में दलितों के हितों का ध्यान नहीं रखा गया, जो आदमी आज तक चुनाव नहीं जीता उसे मेरा टिकट काट कर दिया गया, जिनकी रिटायरमेंट की उम्र है वह खुद युवाओं की टिकट देने की करते है बात। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए बाड़ी विधानसभा सीट से लगातार तीन बार कांग्रेस विधायक रहे गिर्राज सिंह मलिंगा को अभी तक टिकट नहीं दिए जाने से नाराज राजपूत समाज के लोगों ने बुधवार को धौलपुर के राजपूत छात्रावास और बसेड़ी में बैठक कर जमकर प्रदर्शन किये। राजपूत समाज के लोगों ने बाड़ी विधायक मलिंगा को टिकट नहीं दिए जाने के लिए वर्तमान राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा और उनके पिता प्रद्युमन सिंह को जिम्मेदार ठहराते हुए उनका पुतला दहन भी किया। हालांकि बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा दिल्ली दौरे पर होने की बजह से इन विरोध प्रदर्शन में नजर नही आये। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गिर्राज सिंह भारतीय जनता पार्टी के संपर्क में हैं जो शाम तक दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।राजस्थान की राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर, चुनाव से पहले कई दिग्गजों का एक दल से दूसरे दल में आने का सिलसिला जारी, वही आज कांग्रेस के पूर्व विधायक दर्शन सिह और पूर्व प्रत्याशी सुभाष मील ने जॉइन की बीजेपी, वही आरएलपी के प्रदेश महासचिव उदयलाल डांगी ने भी जॉइन की बीजेपी, दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में हुई जॉइनिंग, प्रदेश प्रभारी अरुणसिंह, प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की मौजूदगी में जॉइन की बीजेपी।राजस्थान के विधानसभा आम चुनाव 2023 के चुनावी दौर में अलवर लोकसभा के किशनगढ़ बास से बड़ी खबर कांग्रेस सरकार में राजस्थान के दो बार गृहमंत्री रहे स्व. बाबू संपत राम जी की पुत्रवधू सिमरत कौर अपने समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी में हुई शामिल।

छोटे लाल गया प्रसाद धर्मशाला में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत मतदाता शिविर का आयोजन

विनय कुमार

कानपुर। छोटे लाल गया प्रसाद धर्मशाला में विशेष मतदाता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मतदाताओं के नाम बढ़ाने,संशोधन तथा विलोपन की प्रक्रिया हेतु फॉर्म नंबर 6,7 तथा 8 को मतदाताओं से भरवारा गया।

मतदाताओं से अपील की गई कि वे अपने मतदाता पहचान पत्र को आधार से लिंक करवा ले। यदि नाम इत्यादि में कोई त्रुटि हो तो उसे अवश्य संशोधित कराएं। मतदाता शिविर में मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने पर जोर दिया गया। शिविर में मुख्य रूप से सुपरवाइजर विश्राम प्रसाद, बीएलओ दिलीप गुप्ता, विनय कुमार और रश्मि शुक्ला उपस्थित रहीं।

भोजपुरी सेंसेशन अक्षरा सिंह का म्यूजिक वीडियो 'यूपी बिहार लूटने' जारी

टी-सीरीज़ द्वारा निर्मित भोजपुरी पार्टी एंथम 'यूपी बिहार लूटने' जारी कर दिया गया है। भोजपुरी सेंसेशन अक्षरा सिंह अभिनीत और मुदस्सर खान द्वारा निर्देशित यह फुट-टैपिंग गीत अजीत मंडल द्वारा रचित और लिखा गया है, और संगीत आर्य शर्मा द्वारा दिया गया है। गाने की आकर्षक धुन, वाइब्रेंट विजुअल और अक्षरा सिंह का जबरदस्त परफॉरमेंस एक अविस्मरणीय पार्टी अनुभव के लिए मूड सेट करने का वादा करता है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक में अक्षरा सिंह को पहले कभी न देखे गए अवतार में नज़र आ रही हैं। अक्षरा सिंह का यह म्यूजिक वीडियो टी-सीरीज़ के 'हमार भोजपुरी' यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। बकौल अक्षरा सिंह 'यूपी बिहार लूटने' एक ऐसा म्यूजिकल ट्रैक जो एक अच्छा समय बिताने और उस पल का पूरा आनंद लेने के बारे में है। प्रशंसक जब ये म्यूजिक वीडियो देखेंगे तो यह उनके लिए एक रोमांचक यात्रा होने वाली है।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

लापरवाही व नशे में गाड़ी चलाना छोड़ यातायात नियमों का अनुपालन करें

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर तेजी से विकास के झंडे गाड़ते हुए बढ़ती प्रौद्योगिकी से मानवीय सुख सुविधाओं संसाधनों के नए-नए उच्चस्तरीय आयामो के आविष्कार को अंजाम दिया जा रहा है, याने एक दिन का काम एक मिनट में और एक माह का काम पांच मिनट में निपटाने से सुख सुविधाओं विलोमों का मानवीय जीव आज भोग कर रहा है, परंतु फिर भी मानवीय जीव को समय की कमी आन पड़ी है और बिना किसी भय व अंजाम के सोचतेहुए शीघ्र से मंजिल तक पहुंचने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। जी हां !! हम बात कर रहे हैं परिवहन संसाधनों के विकसित माध्यमों की जो हमें स्कूटी से लेकर हैवी ट्रक तक के रूप में उपलब्ध हैं, जिनमें दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों, घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिनके कारकों मेंमुख्य रूपसे तेजगति,लापरवाही नशे में गाड़ी चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन कर मौत की भेंट चढ़ा जा रहा है, जिसमें मानवीय व यातायात गलतियों के साथ-साथ परिवहन विभाग की भी समकक्ष रूप से जिम्मेदार है, जिसकी चर्चा हम नीचे करेंगे। चूंकि दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को जारी भारतमें सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 में 4.61 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं 1.68 लाख से अधिक मृत्यु और 4.43 लाख से अधिक घायलों के अधिकृत आंकड़ेदर्शाए गए हैं जिसनें एक बार फिर डरा दिया है कि, इतना बड़ा कंट्रोलर यातायात विभाग के होते हुए इतनी बड़ी दुर्घटनाएं कैसे हो गई। मैं अपनी छोटी सी सिटी गोंदिया तक में ही देखता हूं कि, किस तरह से वाहन चालक रेड लाइट क्रॉस करते हैं बिना हेलमेट, ट्रिप-चौपाल सीट, बिना हेलमेट, पीयूसी के गाड़ी चलाना 10-15 साल के बच्चों द्वारा ट्यूशन पर गाड़ी ले जाना सहित अनेक बातों से यातायात अधिकारियों की धज्जियां उड़ाई जाती है और स्टाफ देखते रहता है या फिर मलाई खाने में मस्त रहकर चुप रहता है। यहां लोग बिंदास कहते हैं कि क्या होगा जी 100-500 दे देंगे, चला देंगे काहे का चालान! और काहे की पनिशमेंट! बस!! यही क्रम मेरा मानना है कि पूरे देश में शुरू है, जिसका परिणाम इस रिपोर्ट 2022 में देखने को मिल रहा है। इसलिए इसे रोकने उच्च स्तरीय शासकीय कढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जन जागरणअभियान चलाना होगा। हर नागरिक को यातायात अधिनियमों के प्रति अपनी जवाबदेही समझनी होगी, हर ट्रैफिक सिपाही को मलाई से तौबा कर ईमानदारी का चोलाउ ओढ़ना होगा, हर खाकी को ईमानदारी से एक्शन लेना होगा, जिसके परिणाम हम आगे अगले साल आने वाली सड़क दुर्घटनाऐ रिपोर्ट 2023 में अपनी सफलताओं का रिजल्ट देख सकते हैं, यानि जीरो एक्सीडेंट जो हमारे पुराने सुखी जीवन का द्वारा होगा! चूंकि भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 के भयानक आंकड़े हमारे सामने हैं इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिक आवश्यकता है।साथियों बात अगर हम 31 अक्टूबर 2023 को जारी भारत में सड़क दुर्घटनाएं रिपोर्ट 2022 की करें तो, रिपोर्ट के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) द्वारा कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,68,491 लोगों ने जान गंवाई और 4,43,366 लोग घायल हो गए। पिछले वर्ष की तुलना में दुर्घटनाओं में 11.9 प्रतिशत, मृत्यु में 9.4 प्रतिशत और चोटों में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट इन दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारकों का समाधान करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की तात्कालिकता पर बल देती है, जिसमें तेज गति, लापरवाही से गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना और यातायात नियमों का अनुपालन न करना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार यह महत्वपूर्ण है कि हम प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करें, ड्राइवर शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाएं और सड़कों और वाहनों की स्थिति में सुधार करने में निवेश करें। भारत में सड़क दुर्घटनाएँ 2022 प्रकाशन सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और हितधारकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है। यह सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न पहलुओं, उनके कारणों, स्थानों और सड़कउपयोगकर्ताओं की विभिन्न श्रेणियों पर उनके प्रभावों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। रिपोर्ट उभरते रुझानों, चुनौतियों और मंत्रालय की सड़क सुरक्षा पहलों का भी उल्लेख करती है।सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत में सड़क दुर्घटनाएँ-2022 पर वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट एशिया प्रशांत सड़क दुर्घटना डेटा(एपीआरएडी) आधार परियोजना के अंतर्गत एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिकआयोग(यूएनईएससीएपी) द्वारा प्रदान किए गए मानकीकृत प्रारूपों में कैलेंडर वर्ष के आधार पर राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस विभागों से प्राप्त डेटा/जानकारी पर आधारित है। मंत्रालय सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत उपाय कार्यान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय सड़क उपयोगकर्ता व्यवहार, सड़क बुनियादी ढांचे, वाहन मानकों, यातायात नियमों को लागू करने और दुर्घटना की रोकथाम में प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे विभिन्न पहलुओं पर भी कार्य कर रहा है। चूँकि सड़क दुर्घटनाएँ प्रकृति में बहु-कारणीय होती हैं, इसलिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों की सभी एजेंसियों के ठोस प्रयासों के माध्यम से समस्याओं को कम करने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता होती है।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

सीबीएसई बालिका-19 वर्ग बैडमिन्टन खिताब डीपीएस कल्याणपुर के नाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, सीबीएसई बालिका-19 वर्ग की तीन दिवसीय बैडमिन्टन प्रतियोगिता में डीपीएस कल्याणपुर ने जीत का खिताब अपने नाम कर लिया है, यह प्रतियोगिता इलाहाबाद पब्लिक स्कूल प्रयागराज में सम्पन्न हुई। विधालय की प्राधापाचार्य डा0 अर्चना निगम ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में यूपी, बिहार, झारखण्ड सहित विभिन्न जिलों से 400 से अधिक खिलायिोंन ने प्रतिभागिता की थी, जिसमें आयु वर्ग-19 बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में डीपीएस कल्याणपुर ने डीपीएस वाराणासी टीम को 2-1 से हराया तथा वैष्णवी राजपूत डीपीएस कल्याणपुर, कानपुर को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार दिया गया। प्रधानाचार्या अर्चना निगम ने विजेता टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि यही टीम नवम्बर में होने वाली सीबीएसई नेशनल टीम चैम्पियनशिप में झुनझुनू, राजस्थान में भी भाग लेगीं।

करवा चौथ का चांद और भोजन छोड़ मरीज की जान बचाने भागे डॉक्टर

कानपुर। मरीज रानी (नाम परिवर्तित)26वर्ष ,निवासी नरवल कानपुर,8 माह के गर्भावस्था में कल करवा चौथ की रात अचानक भयंकर रक्त स्राव होने लगा, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के जच्चा बच्चा विभाग में डॉ सीमा द्विवेदी एवं डॉ प्रतिमा की ड्यूटी चल रही थी। खबर मिलते ही पूजा छोड़ डा मरीज के प्राण बचाने भागे द्य डॉ सीमा द्विवेदी और उनकी टीम ने 2 घंटे की जटिल सर्जरी कर मरीज के प्राण बचाए गए। मरिज प्लेसेंटा एकरीटा नामक स्थिति से पीड़ित थी,जिसमें कन्हाई बच्चेदानी में ट्यूमर की तरह चिपक जाती है और इतना भयंकर रक्त स्राव होता है कि मरीज की जान भी जा सकती है। प्लेसेंटा एक्रीटा एक खतरनाक जटिल स्थिति है गर्भावस्था की जिसमें कन्हाई बच्चेदानी में ट्यूमर की तरह चिपक जाती है और इसका विशेष तरीके से ऑपरेशन करना होता है नहीं तो बच्चेदानी को छूते हि भयंकर रक्तस्राव होने लगता है। प्लेसेंटा एक्रेटा की स्थिति बच्चेदानी में पहले कभी ऑपरेशन हुआ हो तो पैदा होती है आजकल सिजेरियन रेट बढ़ गए हैं जिसके कारण प्लेसेंटा एक्रेटा की संख्या भी बढ़ गई है। गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड करने पर इसका पता चलता है और पहले से तैयारी होने पर मरीज की जान बचाई जा सकती है। उसी रात एक 164 हह्यअविवाहित किशोरी निवासी अनवरगंज कानपुर पेट दर्द के साथ भर्ती हुई जिसके पेट से डॉ सीमा द्विवेदी के टीम के द्वारा जटिल ऑपरेशन कर अंडाशय का 7 किलो का ट्यूमर निकाला गया। आजकल अविवाहितों में भी पेट में अंडाशय एवं बच्चेदानी के ट्यूमर की संख्या काफी बढ़ गई है। पेट में भारीपन दर्द अथवा गांठ का अनुभव होने पर तुरंत डॉक्टर से दिखाना चाहिए। ऑपरेशन के दौरान डॉ सीमा द्विवेदी,डॉ प्रतिमा वर्मा ,डॉ सविता मिश्रा, डॉ मोनिका डॉ हिमानी, डॉ यापी,डॉ शिखा ,डॉ शिवांगी आदि मौजूद रहे।

मंदिर की मूर्ति खण्डित मिलने पर ग्रमीणों में आक्रोश

मौके पर पहुंची बिल्हौर व ककवन पुलिस ने आक्रोशित ग्रामवासियों को कराया शांत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर क्षेत्र के अंतर्गत गढी गांव में बने एक धार्मिक स्थल में लगी प्रतिमाओं को तोडे जाने की जानकरी होते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और मौके पर कई गांववासी धार्मिक स्थल पर पहुंच गये और हंगामा करने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर थाना बिल्हौर और ककवन की पुलिस मौके पर पहुंच गयी और आक्रोशित ग्रामीणों को किसी प्रकार समझा-बुझाकर शांत किया साथ ही एसीपी तथा इंस्पेक्टर द्वारा खण्डित प्रतिमाओं के स्थान पर दूसरी प्रतिमाएं स्थापित कराने की बात कही गयी ।प्राप्त जानकारी के अनुसार बिल्हौर क्षेत्र के गढी गांव के पूर्व प्रधान नितिन कटिया द्वारा कुछ वर्ष पहले गांव से कुछ ही दूरी पर एक मंदिर का निर्माण कराया गया था तथा मंदिर में भगवान शंकर तथा काली माताजी की प्रतिमाओं को स्थापित कराया गया था और तभी से प्रधान के परिवार तथा ग्रामीणवासी इस मंदिर मं लगातार पूजा-अर्चना करते आ रहे है, जिस कारण मंदिर का ताला हमेशा खुला रहता है। पूर्व प्रधान रहे नितिन कटियार ने बताया कि गुरूवार की सुबह जब उनकी मां नन्हीं देवी तथा पत्नी प्रतिदिन की भांति मंदिर पूजा करने गयी तो उन्होने मूर्ति खण्डित होने की जानकारी दी। मंदिर की मूर्ति खण्डित होने की बात ग्रामीणों को पता चलते है सैकडो की संख्या में ग्रामीण वहां एकत्र हो गये और अपना आक्रोश व्यक्त करने लगे। हंगामें की सूचना पाकर मौके पर एसीपी आईपी सिंह, बिल्हौ व ककवन इंस्पेक्टर सहित पुलिसबल मौके पर पहुंच गया। आक्रोशि और हंगामा कर रहे ग्रामीणों को एसीपी व इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने किसी प्रकार शांत कराया और खण्डित प्रतिमाओं के स्थान पर नई प्रतिमाओं को स्थापित कराने का आश्वासन दिया। वहीं इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मंदिर आबादी से दूर बना है और किसी शराब द्वारा प्रतिमाओं के साथ छेडछाड की जाने की आशंका प्रतीत हो रही है। उन्होने बताया कि नई प्रमिमाएं मगाई गयी है और घटना को अंजाम देने वालो का पता लगाया जा रहा है।

जारी की गयी मटर की वैज्ञानिक खती विषय पर एडवाइजरी

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नग के वैज्ञानिक डाक्टर राजेश राय द्वारा मटर की वैज्ञानिक खेती विषय पर एडवाइजरी जारी करते हुए बताया गया कि कैसे मटर की खेती से जहां एक ओर कम समय पर पैदावार ली जा सकती है तो वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति भी कैसे बढेगी।

डा0 राय ने बताया कि मटर की जडों में मौजूद राइजोबियम जीवाणु भूमि को उपजाऊ बनाने में सहायक है। शोध छात्र प्रसून सचान ने बताया कि मटर बुवाई का समय अक्टूबर के अंतिम पखवारा से नवंबर मध्यम तक उचित रहता है और राइजोबियम कल्चर से बीजों को उपचार कर बुआई करने से अधिक लाभ प्राप्त होता है। इस अवसर पर मटर की खेती के लिए किसानों को विशेष नियम व सलाह दी गयी तथा कहा गया कि यदि किसान उत्तम कृषि कार्य प्रबंधन करते है तो 25 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर ऊपर प्राप्त की जा सकती है।

पांच दिसंबर को आयोजित होगी एथलेटिक मीट

कानपुर। अरमापुर स्टेट में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कर्मचारी संघ व कानपुर मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वाधान में आरमरीना स्टेडियम अरमापुर स्टेट में 5 नवंबर को प्रात: 8:00 बजे से बच्चों में खेल प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 7 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं की 50 मीटर रेस एवं क्रिकेट बॉल थ्रो, 8 से 11 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं की 75 मीटर रेस एवं क्रिकेट बॉल थ्रो, 12 से 15 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं की 100 मीटर रेस एवं क्रिकेट बॉल थ्रो, एवं 15 वर्ष से ऊपर के छात्र-छात्राओं की 100 मीटर रेस एवं शॉट पुट थ्रो, तथा महिलाओं की 800 मी वॉक, प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी ये सभी खेल प्रतिस्पर्धाएं निशुल्क है, उपरोक्त जानकारी खेल संयोजक विनय अवस्थी ने दी है।

एनसीसी के अपर महानिदेशक द्वारा एनसीसी ग्रुप कानपुर का निरीक्षण

कानपुर नगर। एनसीसी के अपर महानिदेशक मेहर जनरल विक्रम कुमार द्वारा एनसीसी ग्रुप मुख्यालय कानपुर का निरीक्षण कया गया। इस दौरान उन्होने एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के कमाण्डर ब्रिगेडियर संदीप पाल सिंह रौतेला एवं अन्य अधिकारियों से भेंट की तथा एनसीससी की प्रमुख उपलब्धियों एवं कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।मेजर जनरल ने ब्रिगेडियर संदीप पाल के साथ कैम्प के संचालन के बारे में जानकारी ली तथा ट्रेनिं एरिया, फायरिंग, ड्रिल, ऑब्सटेकल ट्रेनिंग का भी निरीक्षण किया। टीए द्वारा दायों रिमेडियशन के द्वारा पर्यावरण सुरक्षा पर व्ख्यान दिया गया। अपन महानिदेशक एनसीसी विक्रम कुमार ने कॅडेट्स से वार्तालाप की और दिशा निर्देश देकर उन्हे प्रेरित किया, साथ ही एएनओ, जीसीआई, कैडेट्स व पीआई को उत्कृष्ट कार्यो के लिए मेडोलियन व अवार्ड दिये। उन्होने 3 यूपी अयर स्क्वैड्रेन एनसीसी में माहइकोलाइट एरोप्लेन, एरोमॉडलिंग, माइकोलाइट सेमुलेटर रूम का भी निरीक्षण किया व एयन उडान के द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होने होने वाली नई गतिविधियों के बारे में विचार साझा किया।

कृषि विज्ञान केंद्र में महिलाओं को वितरित किये गये किचन गार्डन किट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा सहतावनपुरवा गांव में महिलाओं को किचन गार्डन किट वितरित किए गये।

कार्यक्रम में गृह वैज्ञानिक डा0 निमिषा अवस्थी ने बताय कि सब्जियां मानव शरीर के लिए एक अच्छे संतुलित आहार का महत्वपूर्ण हिसा है, क्योंकि इनमें विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व, विटामिन, पोषक तत्व, प्रोटीन आदि पाये जाते है। बताया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार हर व्यक्ति को प्रतिदिन 300 ग्राम सब्जियां खानी चाहिये ।परिवार की सब्जियों की आवश्यकता पूर्ति हेतु घर में पास की भूमि में मौसम के अनुसार सब्जिया एवं जड कन्द आदि शामिल होना चाहिये।कहा मौसम के अनुसार सब्जियों को उगाना चाहिये जिससे वर्ष भर ताजा सब्जियां प्राप्त की जा सकती है। इसी उददेश्य की पूर्ति हेतु कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात की गृह विज्ञान इकाई द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत 200 पोषण वाटिका किट का विभिन्न गांवों में वितरण किया जाना है, जिसकी शुरूआत सहतावनपुरवा में 50 किट वितरण करने के साथ की गयी है।उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के पिरवारों, जिनकी श्रम शक्ति कमजोर एवं बाजारों की दूरी अधिक है उनके लिए रसोई बगीचे से पैसे व समय की बचत के साथ साथ पोषण सुरक्षा भी प्राप्त की जा सकती है।कार्यक्रम में डा0 खलील खान, डा0 राजेष राय, डा0 निमिषा अवसस्थी आदि उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों को रोग से बचाव के लिए शुरू हुआ विद्यालयों में टीकाकरण अभियान

■ मछरिया स्थित सिटी इंटर स्कूल में प्रतिरक्षण अधिकारी ने किया अभियान का शुभारम्भ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। डिप्थीरिया टीडी, गलघोंटू, कालीखासी तथा टिटनेस से बच्चों को बचाने के लिए जनपद के सरकारी व निजी क्षेत्र के स्कूलों, विधालयों में विशेष टीकाकरण अभियान मछरिया स्थित सिटी इंटर स्कूल में प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 यूबी सिंह द्वारा शुरू किया गया।कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आलेक रंजन ने बताया कि डिप्थीरिया की रोकथाम व बचाव के लिए सकूल जाने वाले बच्चों को डीपीटी व टीडी का टीका लगाने का विशेष अभियान शुरू किया गया है जो 10 नवम्बर तक जनपद के सभी सरकारी व निजी विधालयों में चलाया जायेगा। उन्होने बताया कि पूर्ण टीकाकरण से ही बच्चे डिप्थीरिया से प्रतिरक्षित हो सकेंगे। इसके साथ सभी स्कूललो में पांच वर्ष से 16 वर्ष तक के बच्चों को टीका लगाया गया। डा0 यूबी सिंह ने बताया कि छोटे बच्चों डिप्थीरिया एक संक्रामक रोग है और यह दो वर्ष से 10 वर्ष तक की आयु के बच्चों को अधिक होता है। बताया गया कि अभियान के दौरान पडने वाले नियमित टीकाकरण दिवसों में स्कूल न जाने वाले एवं अन्य डीपीटी सेंकंड बूस्टर, टीडी प्रथम एवं टीडी बूस्टर डोज वैक्सीन से छूटे हुए सभी बच्चों को टीके से आच्छादित किया जायेगा।

फुटकर पटाखा व्यापारियों ने महापौर को बताई अपनी पीड़ा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर की सीमाओं पर पटाखों का व्यापार करने वाले फुटकर व्यापारी अपनी समस्याओ को लेकर नगर की महापौर प्रमिला पाण्डे से भेंट की और उनके सामने अपनी समस्याओं को रखते हुए उसका निराकरण कराने का निवेदन किया।कानपुर फुटकर बाजार एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा कहा गया कि वह सभी फुटकर व्यापारी है जो शहर की सीमा के अंतर्गत अपना व्यापार करते है। कहा पहले थोक पटाखा विक्रेता भी शहर की सीमा पर व्यापार करते थे लेकिन इस वर्ष थोक पटाखा व्यवसासियों को शहर के बीचो-बीच मोतीझील लॉन आवंटित कर दिया गया, जिससे फुटकर पाटाखा बाजार का व्यापार प्रभाति होगा और उन्हे काफी नुकसान उठाना होगा, जिसके कारण उनके परिवार का भरण पोशण करना मुश्किल हो जायेगा। महापौर से सभी व्यवसासियों ने अनुरोध करते हुए कहा कि पुलिस आयुक्त से वार्ता कर उन्हे भी शहर में व्यवसाय करने की आज्ञा प्राप्त कराई जाये। इसपर महापैर द्वारा व्यावसासियों को पुलिए आयुक्त से वार्ता करने हेतु आश्वासन दिया।

कानपुर महानगर में मच्छरों का प्रकोप, छात्रसभा ने मच्छरदानी की भेंट

कानपुर, राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा डॉ इमरान के निर्देश पर समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधांशु मिश्रा के नेतृत्व में राष्ट्रीय कमेटी के सभी साथियो के साथ सैकड़ो छात्रों के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कानपुर को कानपुर और उत्तर प्रदेश में डेंगू के प्रकोप से हों रही मौतों के संबंध में एक ज्ञापन दिया जिसमें प्रमुख मांगों को रखा गया कि जिला तहसील में फॉगिंग की व्यवस्था की जाये व सीबीसी जांच केंद्र बनाए जाएं तथा डेंगू मरीजों के लिए जिला अस्पताल में बेड आरक्षित किया जावे आदि मांग रखते हुए मक्षर बचाओ क्राइल मच्छरदानी सीएमओ को दिया गया !प्रमुख रूप से सुधांशू मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा व राष्ट्रीय सचिव उदय द्विवेदी,बृजेश विश्वकर्मा,अंकुश यादव,शुभम यादव,शिवम यादव, अर्सलान,मनीज यादव पासवान आदि बहुत से साथी मौजूद रहें!

रामशंकर कुरील बने बसपा जिलाध्यक्ष

मण्डल प्रभारी एवं पूर्व एमएलसी ने दी जिम्मेदारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रामशंकर कुरील को सक्रियता के चलते बहुजन समाज पार्टी का हाईकमान की संस्तुति पर कानपुर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इनके मनोनयन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त कर स्वागत किया।

वर्तमान में श्री कुरील कानपुर मण्डल प्रभारी का पद भी संभाल रहे हैं, इससे पूर्व कानपुर जिले के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी बाखूबी पूरी तन्मयता के साथ पूरे पांच वर्ष तक निभा चुके है । वर्तमान जिलाध्यक्ष बीपी अंबेडकर मात्र 16 दिन ही अपनी कुर्सी संभाल पाये इसके पहले जेपी गौतम दो महीने में ही बोल गए उनकी अध्यक्षी चली गई ।

हर्ष व्यक्त करने वालों में राम नारायन निषाद, पूर्व महापौर प्रत्याशी अर्चना निषाद,सुखलाल, जायसवाल, राजू कश्यप, मनोज निषाद, अवधेश निषाद, अर्जुन निषाद, राजकुमार आदि रहे वही दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी नवीन मार्केट कार्यालय में कानपुर मण्डल प्रभारी नौशाद अली पूर्व एम एल सी के निर्देशन पर सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र से गौतम अतुल को अध्यक्ष बनाया गया तथा गोविन्द नगर विधानसभा क्षेत्र से सुनील कुमार बाल्मीकि को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर मण्डल प्रभारी रमेश कुमार कमल, तारा चन्द्र कुरील, जिला प्रभारी ब्रजमोहन गौतम, जिला महासचिव हरिनरायन कुशवाहा, एटओएफ संयोजक सौरभ गौतम, राम नारायन निषाद एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष, सुरेन कुशवाहा, पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू चौधरी, कमल गौतम, तुलाराम, संदीप भगत, पन्ना लाल जैसवार राजबाला, दिनेश सना आदि उपस्थित रहे।

सुरेन्द्र मैथानी ने किया छठ पूजन से पूर्व घाटों का निरीक्षण

• नगर निगम तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी भी रहे उपस्थित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दीपावली के बाद होने वाले छठ पर्व के पूजन के लिए घाटों की स्थिति और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए भाजपा विधायक सुरेन्द्र मैथानी के साथ नगर निगम तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने सभी घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने कहा कि समय रहते सभी घाटों की सफाई कराई जये ताकि शुद्ध जल में पूजन किया जा सके। उन्होन कहा कि छठी मैया के पूजन से पहले इस बार घाट एक अलग ही रूप में निखर कर सामने आयेगा और मातायें बहने सूर्य देवता को बेहद सुविधाजनक और आस्था के साथ ठीक प्रकार से अर्ध्य दे सकेंगी तथा अपना पूजन सम्पन्न कर सकेंगी।उन्होने निरीक्षण के दौरान सीटीटाई नहर को तत्काल सफाई हेतु सिंचाई विभाग अधिकारियों को निर्देशित किया। घाट पर सीटियों के निर्माण व फुटपाथ पर टाइल्स लगाने का आदेश दिया। वहीं रविदस पुरम छठ पूजा समिति के साथ वह घाट पर पहुंचे और 200 मीटर के नए घाट के निर्माण्ण तथा पूजा स्थल के सामने 100 मीटर टाइल्स के साथ घाट के सामने 300 मीटर तक टाइल्स लगाने के निर्देश दिया। इसी प्रकार कई अन्य घाटों पर निरीक्षण कर विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने वहां की व्यवस्थाओं को उत्तम करने के निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होने सभी घाटों के कार्यो को समयवधि के अंतर्गत सम्पन्न कराने के लिए आधिकारियों को निर्देश दिया। इस अवसर पर नगर निगम चीफ इंजीनियर मनीष अवस्थी, एक्सचियन नानक चंद, जेई अवश्वनी यादव, जोनल स्वच्छता अधिकारी अरविद यादव, विंचाई विभाग अधिशासी अभियंता मो0 यासीन खान तथा सहायक अभियंता अजय कुमार राव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य विधिज्ञ परिषद के को चेयरमैन से अधिवक्ताओं ने की डा0 बाबा साहेब की मूर्ति लगाने की मांग

कानपुर नगर, कचहरी के अम्बेडकर द्वार पर आयोजित अभिनंदन समारोह में लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष पं रवीन्द्र शर्मा ने अधिवक्ताओं के साथ मिल कानपुर कचहरी में कई सड़को और अम्बेडकर द्वार के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले राज्य विधिज्ञ परिषद उत्तर प्रदेश के कोचेयरमैन अनुराग पांडे का माला व अंगवस्त्र पहनाकर अभिनंदन किया और अवगत कराया कि आपके प्रयासों से निर्मित अंबेडकर द्वार काफी जर्जर हो गया है नाम पट्टिका टूट गई है उसका जीर्णोद्धार करा द्वार के ऊपर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करें । अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए अनुराग पांडे ने कहा कि पूर्व में जो आपकी मांगे सड़के व द्वार बनवाने की थी उन्हें हमने पूरा करा और हम वादा करते हैं कि आपकी मांग के अनुरूप हम अम्बेडकर द्वार का भव्य जीर्णोद्धार कराएंगे और द्वार के ऊपर डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भी लगवाएंगे। पहले भी अधिवक्ताओं का मान सम्मान बढ़ाया और आगे भी अधिवक्ता कल्याण के लिए कार्य करते रहेंगे । समारोह कार्यक्रम का संचालन विजय सागर ने किया। प्रमुख रूप से संजीव दुबे उपाध्यक्ष बार एसो श्रीकांत दुबे अरविंद दीक्षित पूर्व उपाध्यक्ष बार एसो शैलेंद्र शुक्ला पूर्व अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन मधुर साहू अनुराग यादव कमलेश गौतम जी पी शुक्ला अश्वनी आनंद ए बी चौधरी संजीव कपूर शिवम गंगवार इंद्रेश मिश्रा के के यादव आदि रहे।

स्कूली वाहनों पर प्रर्वतन विभाग ने की कार्यवाही, 21 के हुए चालान, 5 वाहन किए सीज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जनपद कानपुर नगर में 02. नवम्बर से 04 नवम्बर 2023 तक स्कूली वाहनों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुए एआरटीओ प्रथम, राजेश राजपूत, एआरटीओ- चतुर्थ आर0के0 वर्मा, पीटीओ प्रथम मानवेन्द्र प्रताप सिंह, पीटीओ-द्वितीय डी0के0 सिंह एवं पीटीओ-तृतीय राकेश कुमार निगम द्वारा अवैध रूप से संचालित स्कूली वाहनों के विरूद्ध कुल 21 चालान किये गये एवं 05 वाहनों को जनपद के विभिन्न थानों में निरूद्ध किया गया।

विगत दिवस शासन द्वारा स्कूली वाहनो पर मानक पूरे न किए जाने को लेकर कठोर कार्यवाही करने का दिशा निर्देश जारी किया था जिसके अर्न्तगत परिहवन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा चेकिंग अभियान चला कर 21 स्कूली वाहनो का चालान किया गया तो वही 5 स्कूली वाहनो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए उन्हें थाने में बंद किया। पीटीओ प्रथम मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि 3 दिवस चलने वाली कार्यवाही में जितने भी स्कूल वाहन मानक पूरे करके नही चल रहे है उनके खिलाफ चालान व थाने में निरूद्ध करने की कार्यवाही की जाएगी।

दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला सम्पन्न

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी, जोन तृतीय, कानपुर द्वारा कृषि जलावायु क्षेत्र के 24 कृषि विज्ञान केन्द्रो के लिये आयोजित की जा रही दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला के दूसरे एवं अंतिम दिन 11 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अपने कृषि विज्ञान केन्द्र की 2024 की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण दिया गया।

डा. ओ.पी. सिंह, पूर्व निदेशक प्रसार सरदार वल्लभभाई पटेल कृ.एवं. प्रौ. विवि., मेरठ, डा. पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार, सरदार वल्लभभाई पटेल कृ.एवं. प्रौ. विवि., मेरठ,भाकृअनुप-अटारी कानपुर से डा. राघवेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं डा. सीमा यादव, वैज्ञानिक तथा उत्तर प्रदेश के भाबर और तराई, पश्चिमी मैदानी और मध्य पश्चिमी मैदानी कृषि जलावायु क्षेत्र के 24 कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों ने भी कार्यशाला में उपस्थित रह कर अपनी सक्रीय भागीदारी को सुनिश्चित किया।डा. पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार, सरदार वल्लभभाई पटेल कृ.एवं. प्रौ. विवि., मेरठ ने कहा कि किसानों फसल में बीमारी व कीट आदि क्षेत्रीय समस्याओं को देखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्रों को परिस्थिती वाले जिलों के अनुसार अलग-अलग समूह में बांट कर प्रक्षेत्र परीक्षण का डिजाइन तैयार किये जायें जिससे किसानों की समस्याओं का समाधान हो सके।इस अवसर पर डा. शान्तनु कुमार दुबे, निदेशक, भाकृअनुप, अटारी, कानपुर ने समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों के कार्यक्षेत्र की समस्याओं को सुना और समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव भी दिये। उन्होंने प्रक्षेत्र परीक्षण (आन फार्म ट्रायल) की परिकल्पना, उद्देश्य और विधियों की विस्तार से जानकारी समस्त उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों एवं वैज्ञानिकों को दी। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु सभी केवीके को आनफार्म ट्रायल विकसित करने और कार्यान्वित करने की विशेष आवश्यकता है। डा. दुबे ने कहा कि कार्यशाला में किसानों की समस्याओं के अनुरूप कार्ययोजना बना कर प्रक्षेत्र पदर्शन निर्धारित किये जायें। कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आडिट यूटिलाइजेशन सार्टिफिकेट, एग्रीड्रोन, प्रत्येक परियोजना के खाते एवं वित्तीय स्थिति, फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना, निकरा परियोजना एवं प्राकृतिक खेती आदि पर विस्तार कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों/वैज्ञानिकों एवं अटारी कानपुर के वैज्ञानिकों तथा अतिथि विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला के अन्त में डा. सीमा यादव, वैज्ञानिक, अटारी कानपुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर डॉ. राम नरेश, डॉ. राजीव सिंह और मोहिल कुमार एवं अन्य लोग मोजूद रहे।

शुभ मंगल दीवाली हाट व बच्चों के लिए कला प्रतियोगिता का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन महिला कानपुर नगर इकाई के द्वारा शुभ मंगलम दिवाली हाट एवं बच्चों के लिए कला प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल तुलसीयानी थे दिवाली हाट में लोगों ने तरह तरह के स्टाल लगाएसंस्था की तरफ से आर्ट कॉम्पिटिशन का आयोजन भी 2 वर्गों में किया गया। पहला ग्रुप 6 से 11 साल के बच्चों का दूसरा ग्रुप 12 से 16 साल के बच्चों का रखा गया। दोनों वर्गों के पृथम, दृतीय व सभी प्रतिभागी बच्चों को संस्था की तरफ से मैडल और सर्टिफिकेट्स दिया गया।संस्था की तरफ से हर 2 घंटे में लकी ड्रा और स्टॉल धारकों के लिए गेम्स व बेस्ट डेकोरेटिव स्टाल आदि को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य जो महिला घर से काम कर रही है उनको आगे बढ़ाना है।अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन महिला कानपुर नगर एकाई की अध्यक्ष खुशी अग्रवल, प्रधान महामन्त्री गीता गुप्ता कोषाध्यक्ष चेतना गुप्ता सांस्कृतिक मंत्री दीपा डालमिया मंत्री अंजना गुप्ता लक्ष्मी ओमर कार्यकारिणी सदस्य अर्चना गुप्ता एवं आदि लोग उपस्थित रहे।

युवक को चाकू से गोदा, रातभर सड़क किनारे पड़ा तड़पता रहा युवक

- शरीर पर मिले आधा दर्जन घाव, परिजनों ने पहुंचाया अस्पताल, हालत गंभीर, रेफर

कानपुर। घाटमपुर में एक युवक को मोहल्ले से तेज बाइक निकाल रहे युवकों को मना करना भारी पड़ गया। आरोप है, कि गुस्साए युवको ने युवक पर देर रात चाकू से हमला कर उसे गोद डाला। युवक को मरा समझकर सड़क किनारे फेंककर आरोपी भाग निकले। सुबह ग्रामीणों ने युवक को लहूलुहान हालत में सड़क किनारे पड़ा देखा तो परिजनो को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन युवक को घायल अवस्था में घाटमपुर सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने प्रथमिक उपचार कर युवक को गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत चिंता जनक बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

घाटमपुर नगर के जवाहर नगर पूर्वी निवासी स्व गोविंद दुबे के 22 वर्षीय बेटे आशीष दुबे ने बताया की वह बीती रात घर से चौराहे तक जाने को निकला था, आरोप है, कि रास्ते में उसे शाहिल, जितेंद्र और आदित्य मिले जिन्होंने उसके साथ जमकर मारपीट की, जिसके बाद युवकों ने फोनकर राहुल शर्मा को पानी की बोतल लेकर आने को कहा, लेकिन जब तक राहुल पानी लेकर पहुंचता तब तक तीनों युवकों ने आशीष पर चाकू से कई वार कर दिए। जिससे युवक मरणासन्न हो गया। तीनों युवको ने युवक को मरा समझकर सड़क किनारे फेंककर भाग निकले। सुबह जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे युवक को लहुलुहान हालत में पड़ा देखा तो परिजनो और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते मौके पर पहुंचे परिजनो ने युवक को घायल अवस्था में ई रिक्शा की मदद से घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टरों ने प्रथमिक उपचार कर आशीष को गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। जहां पर अशीष की हालत चिंता जनक बताई जा रही है। घाटमपुर थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि युवक की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर युवकों की तलाश की जा रही है। जल्द आरोपियो को गिरफ्तार किया जाएगा।

शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा जीएसबीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर के लेक्चर थिएटर में वर्कशॉप ऑन रिसर्च मेथाडोलॉजी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शोध कार्यो की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए किया गया है। कार्यक्रम में डॉक्टर एस के बर्मन विभागाध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन द्वारा बताया गया कि कार्यशाला में हैण्डस ऑन ट्रेनिंगकरायी जाएगी जिसमें लैपटाप पर शोध कार्यो का डेटा एलालेसेस करने की विधि को सिखया जाएगा। कार्यक्रम में डॉक्टर मुकेश शुक्ला सह आचार्य कम्युनिटी मेडिसिन एम्स रायबरेली द्वारा शोध कार्य करने के विभिन्न तरीकों की विधि के बारे में बताया गया।

एडीजी जोन ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर समीक्षा गोष्ठी कर दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से झांसी परिक्षेत्र के समस्त राजपत्रित/161 थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियों के साथ मध्य-प्रदेश में होने वाले विधानसभा निर्वाचन-2023 की कार्ययोजना, अगामी पर्व/त्योहार, अपराधियों का सत्यापन, गैंग्स्टर एक्ट, साइबर पुलिस स्टेशन एवं जनपदों में संचालित सोशल मीडिया की सक्रियता बढ़ाएं जाने व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर दिशा-निर्देश दिये गये।

15 दिन बीतने के बाद भी नहीं बनी सड़क नगर निगम की बड़ी लापरवाही

कानपुर । कानपुर शहर के नवाबगंज खेओरा वार्ड 44 उजियारी देवी मंदिर को जाने वाली मेन सड़क अपनी तकदीर को रो रही है। यहां से निकलने वाले लोग आए दिन चुटहिल होते हैं और लड़खड़ाते हुए अपने गंतव्य को पहुंचते हैं। अगर कोई वाहन सवार इस रोड से गुजरता है तो वह बचते बचाते हुए ही अपनी मंजिल को पहुंचता है। कुछ इसी तरह की परेशानियों को देखते हुए कल्याणपुर विधायिका नीलिमा कटियार से इस संबंध में जानकारी हासिल की तो उन्होंने इसे संज्ञान में लेकर तत्काल नगर निगम को आदेश दिया कि इस रोड की दीवाली के पहले मरम्मत हो जाए। जिससे आने जाने वाले राहगीरों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

ने कल्याणपुर विधायक नीलमा कटियार जी से बात कर के जानकारी लिया विधायका जी कहना है ये सड़क मैंने नगर निगम के अंडर मे दे दिया पूरी जानकारी लेने के बाद तत्काल उन्होंने नगर निगम को सड़क बनाने आदेश दिया ये रोड नवाबगंज खेओरा वार्ड44 उजियारी देवी मंदिर का मेन रोड है आने जाने वालो को भी बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा । अब देखना है कि नगर निगम इन आदेशों का पालन कब करता है।

दक्षिणी क्षेत्र रामलीला कमेटी, के 73वां वार्षिक कार्यक्रम में अपर श्रमायुक्त ने किया प्रतिभाग

कानपुर। अपर श्रम आयुक्त, सौम्या पांडे ने शुक्रवार को दक्षिणी क्षेत्र रामलीला कमेटी, बाबू पुरवा, कानपुर में 73वां वार्षिक कार्यक्रम रावण वध मेला में भगवान श्री राम की आरती में सम्मिलित हुई। उन्होंने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के बताए हुए रास्ते पर हम सभी को चलना चाहिए जिससे हमें कभी भी किसी को किसी प्रकार की कोई भी परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हम सबको एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए और भगवान श्री राम के भाइयों से हमें भी सीख लेनी चाहिए। भगवान श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहा जाता है भगवान राम सुखों का समझौता कर न्याय और सत्य के मार्ग पर चलें अपने इन्हीं गुणों के कारण वह मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान राम के कई गुणों में यदि आप कुछ गुण को भी अपना लेंगे तो आपका जीवन भी सफल हो जाएगा व्यक्ति अपने गुणों और कर्मों से ही पहचान बनाता है भगवान श्री राम भी अपने स्वभाव गुणों और कर्मों के कारण मर्यादा पुरुषोत्तम राम, भगवान श्री हरि विष्णु के अवतार माने जाते हैं। उन्होंने राजपाठ छोड़कर 14 साल बनवास में बताएं लेकिन फिर भी एक श्रेष्ठ राजा कहलाते हैं क्योंकि उन्होंने सत्य , दया, करुणा , धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलते हुए राज किया आज भी बड़े बुजुर्गों के बीच आदि संस्कृति और सदाचार की बात होती है तो राम का ही नाम लिया जाता है भगवान राम अनेकों गुणों के धनी है, इसी प्रकार अपर श्रम आयुक्त सौम्या पांडे द्वारा अनेकों विचार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कृषक मजदूर ने पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र सौंप, लगाई न्याय की गुहार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राजू निषाद पुत्र गोकुल प्रसाद ग्राम भारतपुरवा थाना बिठूर निवासी है। प्रार्थी के ग्राम प्रधान रूपन व शशी पुत्र रूपन व बृजेश पुत्र रूपन तथा अन्य करीब 20-25 लोगों ने प्रार्थी की जमीन पर बनी झोपड़ी को तोड़कर फेंक दी तथा 15,500/- (पन्द्रह हजार पांच सौ रुपये) भी लूटकर ले गये। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी ने सुबह थाना जाकर प्रार्थनापत्र दिया था। जिसको रंजिश मानकर रूपन प्रधान व उसका लड़का व शशी, करन पुत्र राधेश्याम पुत्र भूप बल्लू पुत्र भूप, रामअवतार पुत्र चन्दी, झाऊलाल पुत्र चन्दी, मूलचन्द व कन्हई पुत्रगण चन्दी सूरज पुत्र कन्हई, सुनील पुत्र राम औतार, अभिषेक व सनी पुत्र रामअवतार, पप्पू पुत्र बहादुर राजाराम सर्वेश, परशुराम उर्फ बनिया पुत्रगण रामकुरील ज्ञानी प्रसाद पुत्र मन्नू महावीर पुत्र दयाल आदि 10-15 लोग अज्ञात 30 अक्टूबर को शाम समय प्रार्थी के घर के पास एकराय होकर आये तब वहां प्रार्थी की बहन नेहा, पुत्री गोकुल प्रसाद, प्रार्थी की माता शान्ती देवी से अभद्र भाषा में गाली गलौज करने। लगें। जब नेहा तथा शान्ती ने इसका विरोध किया तो उक्त रूपन, ब्रजेश, सुनील, सूरज, नेहा को गन्दी नीयत से जमीन पर गिरा दिया, जब नेहा ने इसका विरोध किया तो निर्वस्त्र करने की नीयत से रूपन ने नेहा के कपड़े फाड़ दिये। शोर मचाने पर लक्ष्मी नारायणउक्त सभी लोग सीने पर लात मारने लगे। बचाने आया राजू (प्रार्थी) व अन्य परिवार के सदस्यों को उक्त लोगों ने मारापीटा चुटहिल लक्ष्मीनारायन नाक में चोट के कारण और नाक से खून ज्यादा बहने के कारण तथा सीने में सूजन को कारण मरणासन्न हालत में है। प्रार्थी ने 112 नं0 डायल कर पुलिस को बताने की कोशिश की किन्तु 112 नम्बर पर बात नहीं हो सकी। जिसकी शिकायत उसी दिन प्रार्थी ने थाना बिठूर में दी। जिस पर पुलिस ने उल्टा प्रार्थी व प्रार्थी के चचेरे भाई संजय को बैठा लिया, तथा रूपन प्रधान को थाना बिठूर की पुलिस पकड़ लायी और पैसे लेकर उसे एक डेढ़ घंटे में छोड़ दिया तथा प्रार्थी के पिता गोकुल से एक सादे कागज पन्ने पर जोर जबरदस्ती करके डांट डपट कर अंगूठा लगवा लिया और उल्टा मुकदमा लिखने की धमकी देकर पुलिस ने थाने से भगा दिया। उक्त लोग दबंग किस्म के व्यक्ति है ।

कुशाग्र के हत्यारे को फांसी दो की मांग को लेकर कैंडल मार्च

कानपुर। घंटाघर पर सुभाष यूथ सोसाइटी के कार्यकर्ताओं द्वारा सैकड़ो की संख्या में लोग पहुंच कर कैंडल मार्च निकाला वह कुशाग्र के तीनों हत्यारों को सार्वजनिक रूप से फांसी देने की मांग की वह 5 मिनट का मौन धारण किया। और यह बताया कि पुलिस कुशाग्र के चरित्र पर जो यह दाग लगा रही है वो सही नहीं है इस अवसर पर व्यापारी नेता ज्ञानेंद्र मिश्रा पीके शुक्ला यतेंद्र योगी लाल जैन कन्हैया बड़े भैया नारायण दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय में जिला अध्यक्ष व प्रभारियों की बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने जिला अध्यक्ष जिला प्रभारी एवं प्रशिक्षण वर्ग की क्षेत्रीय टोली की बैठक की। बैठक में प्रदेश प्रशिक्षण टोली के सदस्य भाजपा के प्रदेश मंत्री शिवाभूषण सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे । क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र को 4 सेक्टरों में बांट कर प्रशिक्षण वर्ग करने की बात करते हुए कहा कि फर्रुखाबाद कन्नौज इटावा औरैया कलेस्टर को क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र देव गुप्ता, अखिलेश बाजपेई, कानपुर देहात कानपुर ग्रामीण फतेहपुर, हमीरपुर कलेस्टर क्षेत्रीय मंत्री सुनील तिवारी, बांदा चित्रकूट महोबा कलेस्टर क्षेत्रीय महामंत्री संत विलास शिवहरे एवं ललितपुर झांसी जालौन कलेस्टर का इंचार्ज क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल यादव को बना कर जिम्मेदारी सौपी गयी है। यह सभी कलेस्टर इंचार्ज नवंबर माह में अपने अपने क्लस्टरों के अंतर्गत जिले के नगर पालिका नगर पंचायत सभासदों का प्रशिक्षण कराएंगे। श्रीपाल ने कहा कि नगर पालिका नगर पंचायत के सभासदों के प्रशिक्षण वर्ग में क्षेत्र व प्रदेश के वरिष्ठ नेता गण व सरकार के मंत्री प्रशिक्षण वर्ग में आयोजित विभिन्न सत्रों को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश मंत्री शिव भूषण ने कहा कि क्षेत्र के सभी 52 में से 45 विधानसभा में दिवाली के बाद क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) सदस्यों का भी प्रशिक्षण वर्ग विधानसभा वार आयोजित होगा।बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष कमलावती सिंह फरुखाबाद प्रभारी विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक पूनम द्विवेदीअनीता गुप्ता पवन प्रताप सिंह शिव महेश दुबे सुधीर सिंह इंद्रपाल पटेल आनंद राजपाल राजेश भदौरिया दीप अवस्थी जिला अध्यक्ष दीपू पाण्डेय शिवराम सिंह दिनेश कुशवाहा मनोज शुक्ला मोहित पाण्डेय अनूप अवस्थी सहित सभी 17 जिलों के प्रभारी व अध्यक्ष उपस्थित रहे ।

बेटियों ने कहा हमें अनाथ बनाने वाले भाजपा नेता को गिरफ्तार कीजिए

कानपुर। किसान बाबू सिंह यादव के परिजनों ने सपा नेता और न्याय संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु गुप्ता के साथ आत्महत्या के 56 दिन बीतने के बावजूद भाजपा नेता और यूपी बाल आयोग के सदस्य प्रियरंजन आशु, भाजपा नेता शिवम चौहान,बबलू और जीतेंद्र की गिरफ्तारी न होने पर आक्रोश जताते हुए कानपुर पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर पूछा की क्या आरोपी का पैसा और राजनैतिक रसूख इतना बड़ा है की हम गरीब बेटी न्याय की उम्मीद करना छोड़ दें।बेटियों ने कमिश्नर को लिखित शिकायत देते हुए मांग करी की भाजपा नेता शिवम चौहान और बबलू के यहां कुर्की की कार्यवाही शुरू हो क्योंकि उनकी 82 लिए लगभग एक माह होने का है।साथ ही बेटियों ने लिखित में मांग करी की प्रियरंजन आशु पर मुकदमा दर्ज हो क्योंकि उसने झूठा शपथ पत्र दाखिल किया की वह रिजेंसी अस्पताल में भर्ती था और फॉर्च्यून हॉस्पिटल(जो प्रियरंजन के रिश्तेदार का है)में इलाज करवा रहा था।

साथ ही बेटियों ने प्रियरंजन आशु पर गैंगस्टर की कार्यवाही की भी मांग करी।पुलिस कमिश्नर ने अभिमन्यु गुप्ता और परिजनों को आश्वासन दिया की हर कीमत पर न्याय मिलेगा।कमिश्नर ने कहा की बेटियों की सभी मांगें बिल्कुल जायज हैं और बेटियों की सभी मांगों पर कार्यवाही होगी।कमिश्नर ने कहा की शिवम चौहान और बबलू की कुर्की के लिए अभी आदेश कर रहा हूं।साथ ही गैंगस्टर की कार्यवाही भी होगी और झूठे शपथ पत्र का मुकदमा भी होगा ये भी कमिश्नर ने आश्वासन दिया।बेटी रूबी ने कहा की सब हमको कह रहे हैं की न्याय की उम्मीद भूल जाओ क्योंकि पैसे से मजबूत भाजपा नेता है और भाजपा के ही बड़े नेता उसको बचा रहे हैं।बेटी रूबी ने कहा की प्रियरंजन अपने पैसे और रसूख के दम पर खुलेआम कानून और पुलिस को चुनौती दे रहा है।बेटी काजल में कहा की भाजपा नेता शिवम चौहान और बबलू की 82 लिए हुए 1 माह हो गए पर अभी तक उन पर 83 की कार्यवाही नहीं हुई।बेटी काजल ने कहा की झूठे शपथ पत्र से लेकर गैंग्स्टर की कार्यवाही करना पुलिस कमिश्नर के हाथ में है इसलिए यदि आप हम बेटियों को न्याय दिलवाना चाहते हैं तो गैंगस्टर और झूठे शपथ पत्र की कार्यवाही कीजिए।बेटियों ने घोषणा करी की यदि दीपावली से पहले प्रियरंजन और शिवम समेत सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए तो मजबूरी वश बेटियां काली दीपावली मना कर सरकार तक अपना विरोध भेजने का काम करेंगी।सपा नेता और न्याय संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु गुप्ता ने कहा की 56 दिन बाद भी बाबू सिंह यादव की विधवा पत्नी और बेटियों को न्याय नहीं मिला।बेटी रूबी नंगे पांव चलने के संकल्प के साथ कमिश्नर के यहां पहुंची।

प्रेशर हार्न बजाया तो लगेगा 10 हजार का जुर्माना

कानपुर। आरटीओ कानपुर (संभागीय परिवहन विभाग) के प्रवर्तन दल को शासन की तरफ से डेसीबल मशीन (ध्वनि परीक्षण यंत्र) दी गई है जो अब वाहनो में तेज और मॉडीफाइ साइलेंसर कराने पर उससे निकलने वाले हार्न की ध्वनि अगर तय मानक से अधिक मिलती है और मशीन ने चेकिंग में पकड लिया तो वाहन पर 10 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा।एआरटीओ प्रवर्तन मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि सड़को पर चलने वाले वाहनो में अधिकांश युवक अक्सर प्रेशर हार्न लगा लेते है जिससे ध्वनि प्रदूषण बहुत होता है। इस ध्वनि प्रदूषण को कम करने और ऐसे मॉडीफाइ प्रेशर हार्न और साइलेंसरो को चेक करने के लिए सरकार द्वारा डेसीबल मशीन यानी (ध्वनि परीक्षण यंत्र) दिया गया है जो कि ऐसे प्रेशर हार्न और मॉडीफाइ साइलेंसरो को चेक करेगी। अगर वाहन के हार्न का डेसीबल सामान्य से ज्यादा हुआ तो उसका चालान किया जाएगा जो कि 10 हजार रूपये का होगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि डेसीबल मशीन के समान्य हार्न की ध्वनि का अधिकतम मानक 120 डेसीबल होता है जबकि 65 डेसीबल स्टर्ण्ड माना जाता है। वाहन में अगर मानक 120 डेसीबल से हार्न का प्रेशर डेसीबल ज्यादा होगा तो उस वाहन पर 10 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। एआरटीओ मानवेन्द्र सिंह ने आम जनमानस से अपील की है कि ध्वनि प्रदूषण को रोकने में अपना योगदान दे और ऐसे प्रेशर हार्नो का प्रयोग न करे जिससे जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता हो। यदि ऐसे प्रेशर हार्न को वाहन में लगा हो तो उसे तुंरत ही उतार दे ताकि विभागीय कार्यवाही न भुगतनी पडे।

आजम खान को लगा एक और बड़ा झटका

जौहर ट्रस्ट से जमीन वापस लेगी योगी सरकार, कैबिनेट ने लगाई मुहर

उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार (31 अक्टूबर) को जेल में बंद समाजवादी पार्टी नेता आजम खान के जौहर ट्रस्ट से कुछ सरकारी जमीन वापस लेने का फैसला किया है। यह फैसला सुबह 11 बजे लखनऊ के लोकभवन में योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में एक दर्जन से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिसमें तत्कालीन समाजवादी पार्टी सरकार द्वारा जौहर ट्रस्ट को आवंटित जमीन वापस लेने का मुद्दा भी शामिल था। तत्कालीन सपा सरकार के दौरान माध्यमिक शिक्षा विभाग की जमीन आजम खान के जोहट ट्रस्ट को 100 रुपये सालाना किराये पर आवंटित की गई थी।

बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया था कि सपा के कार्यकाल में आजम ने मुर्तजा विद्यालय की जमीन जौहर ट्रस्ट के नाम करा ली थी। जमीन पर समाजवादी पार्टी का कार्यालय बना हुआ था। इससे पहले पिछले महीने आयकर (आईटी) विभाग ने आजम खान के ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह छापेमारी अल जौहर ट्रस्ट मामले में की गई थी। यह छापेमारी रामपुर, लखनऊ, सहारनपुर, गाजियाबाद और सहारनपुर समेत राज्य के कई अन्य जिलों में की गई। पिछले दिनों रामपुर की एक अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के पांच साल पुराने मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई थी।जनवरी 2023 में खान ने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने खुद को गरीबों का मसीहा बताया था और सरकार पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया था। मानहानि मामले में पेश होने के लिए बांद्रा कोर्ट पहुंचे खान ने मीडिया से कहा कि वह निर्दोष हैं और सरकार जानबूझकर उन्हें फंसा रही है। खान ने कहा था, मुझे परेशान करने के लिए सब कुछ किया जा रहा है, मैंने कोई अपराध नहीं किया है। अब तक पूंजीपतियों ने विश्वविद्यालय बनाए हैं। मैं एक गरीब आदमी हूं, मैंने एक विश्वविद्यालय बनाया जो अनाथों से फीस नहीं लेता।

बच्ची से बलात्कार करने का आरोपी झोलाछाप डॉक्टर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

फेज-1 थाना क्षेत्र में पड़ोस में रहने वाली 11 साल की बच्ची से बृहस्पतिवार को अपने क्लीनिक में बलात्कार करने के आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि फेज-1 थाना क्षेत्र के सेक्टर 8 में आरोपी शहजाद (40) अपनी क्लीनिक चलाता था।बृहस्पतिवार दोपहर को उसने पड़ोस में रहने वाली 11 वर्षीय बच्ची को लालच देकर अपनी क्लीनिक में बुलाया और उससे बलात्कार किया तथा उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी घटना के बाद से फरार था। डीसीपी ने बताया कि घटना के बाद बच्ची ने अपने परिजनों को आप बीती सुनाई जिसके बाद उन्होंने पुलिस में मामला दर्ज करावाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया।

पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए 12 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीम गठित की गई। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी सेक्टर 10 के पार्क में बने खंडहर में छुपा है।पुलिस ने तुरंत वहां छापेमारी की। अपने आप को पुलिस से घिरा देख आरोपी ने भागने की कोशिश की और पुलिस पर गोली चलाई। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देसी तमंचा और चार कारतूस बरामद किए हैं। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित बच्ची की हालत अब सामान्य है। इस घटना के बाद बच्ची काफी डरी सहमी हुई है।

श्री राम सेवा मिशन के सनातन संवाद' में बोलीं रामायण की सीता, सनातन धर्म सबसे पुराना, हमें गर्व करना चाहिये: दीपिका

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान,सनातन संवाद का आयोजन पूरे देश में किया जाएगा -रमेश अवस्थी

श्री राम सेवा मिशन द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित सनातन सदमे अति लोकप्रिय टीवी धारा रामायण की सीता दीपिका चिखलिया ने कहा कि सनातन धर्म धरती पर सबसे पुरातन धर्म है, हमें इस पर गर्व होना चाहिये। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। यहां जानी-मानी कवयित्री कविता तिवारी के काव्य पाठ ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वाल्मीकि महोत्सव का शुभारम्भ लखनऊ से आये भजन गायकों की प्रस्तुतियों के साथ हुआ। उन्होंने 'जनम सुफल हो जाए बन्दे मन में राम बसा ले तू' और 'नगरी हो अयोग्यासी卐 जैसे भजन प्रस्तुत कर माहौल को राममय कर दिया। कार्यक्रम के दौरान जानी-मानी कवयित्री कविता तिवारी ने मैं कविता हूँ, मेरी पहचान मेरे शब्द बोलेंगे' और 'मन चंचल है त विस्वल है। जैसी रचनाएं पड़ी तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके बाद जैसे ही रामायण की सीता दीपिका चिखालिया मंच पर आयी, मौजूद लोगों ने जय जय श्रीराम और सीतामहा की जय के उद्योग कर उनका स्वागत किया। कवयित्री कविता तिवारी ने दीपिका चिखलिया के साथ सनातन संवाद किया।

भावना प्यार और सादगी की सीख देती है रामायण संवाद के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए दीपिका निखलिया ने रामायण सीरियल से जुड़े तमाम संस्मरण साझा किये। भूमिका कैसे मिली, इस प्रश्न का उत्तर देते हुए दीपिका ने कहा कि उस समय यह रामानंद सागर के साथ विक्रम और बेताल' व 'दादा दादी की कहानियां सीरियल कर रही थीं। रामायण बनाने की योजना बनी तो कला निर्देशक ने उनसे ऑडिशन देने को कहा, जिसे लेकर वह नाराज भी हुयीं। फिर रामानंद सागर के कहने पर ऑडिशन दिया। ऑडिशन के बाद रामानंद सागर की आंखें नम हो गयी और वह केले, मुझे मेरी सौता मिल सकी भूमिका कितनी चुनौतीपूर्ण थी, इस प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कम उम्र में समझ में नहीं आया लेकिन प्रभु श्री राम की कृपा से यह चमत्कार भी हो गया। उन्होंने कहा कि रामायण में ऐसे तमाम चमत्कार हुए हैं। रामायण पर बने अन्य टीवी सीरियल या फिल्मों को लेकर दीपिका ने कहा कि रामायण वह जो सादगी, भावना, प्यार की सीख दे जो रामानंद सागर की रामायण में था। बाद में रामायण पर जो भी सीरियल या फिल्में बनीं, वह मात्र मनोरंजन के लिये थीं, उन्हें रामायण नहीं कहा जा सकता। उन्होंने माना कि सीता जी की भूमिका निभाने के बाद छोटी उम्र में जब लोगों से सम्मान मिलता है तो व्यक्तित्व में परिवर्तन स्वत: ही आने लगता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राम के लिये आसान नहीं था रावण पर जीत हासिल करना, लेकिन रावण हारा क्योंकि वह गलत था, राम जी क्योंकि यह सच्चाई और अच्छाई के रास्ते पर थे। आज भी अधर्म के खिलाफ लड़ रहे लोगों की जीत होगी। दीपिका ने रामायण की शूटिंग के दौरान के कई संस्मरण साझा किये। उन्होंने कहा कि बालक राम का काक भुसुद्धि के साथ खेलने का दृश्य शूट होना था। कौआ कैसे आये, यह समस्या सबको परेशान कर रही थी। ऐसे में रामानंद सागर ने प्रभु श्री राम से प्रार्थना की और सेट बैठ गये। तभी एक कौआ उड़ते हुए आया और बालक राम के पास बैठ गया। बालक ने उस पर हाथ फिराया और शूटिंग पूरी हो गयी। जैसे ही रामानंद सागर ने कट बोला, कौआ उड़ कर चला गया। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में शूटिंग स्थल पर साप घूमा करते थे लेकिन कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने कहा कि सोता जी ने अग्निपरीक्षा इसलिये दी कि वह स्वयं को सिद्ध करना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि रामायण के प्रत्येक पात्र से हमें शिक्षा मिलती है, यस इसका अध्ययन हृदय से किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि सनातन सबसे पुराना धर्म है, अब तो दुनिया के तमाम देश इसके महत्व को स्वीकार रहे हैं। हमें सनातन पर गर्व होना चाहिये। दीपिका ने बताया कि वह नजारा टीवी के लिये एक

भारावाहिक 'धरती पुत्र नंदिनी' बना रही है। वह इसमें अभिनय भी कर रही हैं।

महर्षि वाल्मीकि से लें प्रेरणा कार्यक्रम में आये प्रदेश के मंत्री अनूप वाल्मीकि व राकेश सचान ने यहा स्वच्छता सेनानियों व अन्य प्रमुख लोगों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि श्री राम सेवा मिशन का यह कार्यक्रम समाज में सही अर्थों में समरसता लाने में सहायक होगा। श्री राम सेवा मिशन के संरक्षक रमेश अवस्थी ने कहा कि समाज में समरसता का भाव आए और महर्षि वाल्मीकि को शिक्षाएं, जो उन्होंने रामायण के जरिये दी है, उनका प्रसार हो, श्री राम सेवा मिशन का वही लक्ष्य है।

इन्हें किया गया सम्मानित- कार्यक्रम में महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, नीलिमा कटियार, एमएलसी अरुण पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वनिल वरुण, राजू बाल्मीकि, अजीत बागमार, मनीराम पैंथर, मुन्ना पहलवान, रामगोपाल समुद्रे, दिनेश छविलाल सुदर्शन, रामजियावन सागर, चमन विरिया, गंगू बाबा के परिजन, मनोज सेंगर, मापवी सेंगर, समाजसेवी संजीव दीक्षित, प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस जी महामंत्री शैलेश अवस्थी, गौरव सारस्वत, अवनीश दीक्षित, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी हरिराम गुप्ता को सम्मानित किया गया। इनके अलावा निगम डिपी वर्मा, सुमित दिवाकर, महाव आलम, बृजेश शुक्ला आदि को स्वच्छता सेनानी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी तरह महंत अरुण चैतन्य पुरी, महंत कृष्णदास महंत जितेन्द्र दास, सिख समाज के मनप्रीत सिंह भट्टी, ईसाई समाज के सत्येन्द्र सिन्हा सहित सभी धर्मों के प्रमुख लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सचिन अवस्थी नरेन्द्र त्रिपाठी, रघुनंदन सिंह भदौरिया, भूपेश अवस्थी, सुरेश अवस्थी, सर्वेश पाण्डेय निन्नी आदि थे, कार्यक्रम में भाग लेने आईं प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी लोगों को सम्मानित किया, कार्यक्रम में स्वच्छता सेनानी, वाल्मीकि सेवा सम्मान, सनातन सेवा सम्मान से सौ से अधिक लोगों को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें सभी धर्म के धर्माचार्यों ने भाग लिया और सनातन संस्कृति को आज के परिप्रेक्ष्य में उपयोगी बताया।

अरविन्द केजरीवाल का बड़ा दिवाली गिफ्ट, एमसीडी के 5000 सफाई कर्मचारी होंगे स्थायी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 5000 संविदा कर्मचारियों को स्थायी पदों की पेशकश की जाएगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि इन 5000 का कई तरह से शोषण किया गया। अपने फैसले की घोषणा करते हुए दिल्ली सीएम ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी की प्रतिबद्धता है कि हम कच्चे कर्मचारियों की इस व्यवस्था को खत्म करेंगे। जब नगर निगम में बीजेपी की सरकार थी तो बहुत भ्रष्टाचार था। अब सब कुछ खत्म हो गया है। उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलना शुरू हो गया है। दिवाली के मौके पर यह बड़ी घोषणा है।अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि कल नगर निगम की सदन में बैठक हुई जिसमें प्रस्ताव पारित कर कहा गया है कि निगम के लगभग 5,000 सफाई कर्मचारियों को पक्का(स्थायी) किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का शोषण किया जाता रहा है। 15 साल से निगम में भाजपा की सरकार थी और उन्होंने सफाई कर्मचारियों का शोषण किया। उन्होंने कहा कि दिवाली के मौके पर यह बहुत बड़ी घोषणा है, दिवाली- छठ पूजा सभी के लिए शुभ हो। उन्होंने कहा कि जनवरी में सरकार बनने के बाद अब तक 6494 सफ़ाई कर्मचारियों को पक्का किया जा चुका है।संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के 15 साल में सिर्फ़ 2 ही तरह की खबरें आती थी -भ्रष्टाचार और कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिली।

आयुध निर्माणियों के निगमीकरण के मुद्दे पर विश्वास जताने के लिए जदयू नेत्री सुप्रिया खेमका ने संयुक्त मंत्री का जताया आभार

पटना। लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही आयुध निर्माणियों के निगमीकरण का मुद्दा फिर से जोर पकड़ने लगा है। केंद्र सरकार ने कोविड के दौरान एक अक्टूबर 2021 से देश की सभी 41 आयुध निर्माणियों का निगमीकरण कर सात आयुध निगमों में विभाजित कर दिया था। जिसे निजीकरण की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित आयुध उपस्कर निर्माणी की किला मजदूर यूनियन के संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई ने जनता दल यूनाइटेड की पटना से युवा तेजतर्रार महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव सुप्रिया खेमका को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव में निगमीकरण का मुद्दा पार्टी मेनिफेस्टो में शामिल करवाने का आग्रह किया है। साथ ही निगमीकरण के मुद्दे को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष उठाने का भी निवेदन किया है। पत्र के माध्यम संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई ने सुप्रिया खेमका से कहा कि जिस तरह सोशल मीडिया के माध्यम से आप लगातार जनता के मुद्दे उठाती रहती हैं जिस कारण आप काफी लोकप्रिय हैं। इसलिए उन्होने उम्मीद जताते हुए लिखा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की तरफ से आपको भी लोकसभा का उम्मीदवार बनाया जाए। संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई का पत्र प्राप्त होने पर जदयू नेत्री सुप्रिया खेमका ने निगमीकरण के मुद्दे पर हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए सोशल मीडिया फेसबुक पर अपनी एक फोटो साझा की। जिसमें जदयू नेत्री सुप्रिया खेमका संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई के पत्र को पढ़ते नजर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने सम्मान व विश्वास जताने के लिए संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई को शुक्रिया लिखा।

(अतीत) 30 अक्टूबर: 1992

जब स्कूलों अस्पतालों मैरिज लॉन को बनाया जेल

नॉर्थ ईस्ट के कारसेवकों के इंतजार में रेलवे स्टेशन पर बैठी पुलिस

प्रयाग के नैनी जेल से सैकड़ों कारसेवक फरार हो गए। लखनऊ के दुबग्गा अस्थाई जेल से दो हजार कारसेवक निकल भागे। मुरादाबाद, बरेली, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती अनेक जगहों से जेलों से फरार कारसेवक अयोध्या पहुंचने लगे। हजारों की तादात में कारसेवक अयोध्या, फैजाबाद में गिरफ्तार हुए। लेकिन इन्हें कहां रखे। सभी जेल तो ठसाठस भर चुकी हैं।

अयोध्या। बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर भारत से आने वाली ट्रेनें देवरिया में भटनी जंक्शन के बाद निरस्त कर दी गई थी। भटनी जक्शन पुलिस छावनी में तब्दील था। जैसे ही कारसेवक पहुंचे स्टेशन पर ही गिरफ्तार कर लिया जाए। कुछ भी हो 30 अक्टूबर तक कोई अयोध्या न पहुंचने पाए।

हजारों की तादात में कारसेवक अयोध्या, फैजाबाद में गिरफ्तार हुए। लेकिन इन्हें कहां रखे। सभी जेल तो ठसाठस भर चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश में सभी जेल भर चुके थे। हालात यह हो गया कि कारसेवक जेल से फरार होने लगे और भागकर अयोध्या पहुंच जाते। वाराणसी के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लखनऊ सूचना भेजने लगे कारसेवक काबू में नहीं आ रहे हैं। कृपया उन्हें लखनऊ-फैजाबाद में ही गिरफ्तार कर लें।

प्रयाग के नैनी जेल से सैकड़ों कारसेवक फरार हो गए। लखनऊ के दुबग्गा अस्थाई जेल से दो हजार कारसेवक निकल भागे। मुरादाबाद, बरेली, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती अनेक जगहों से जेलों से फरार कारसेवक अयोध्या पहुंचने लगे। हजारों की तादात में कारसेवक अयोध्या, फैजाबाद में गिरफ्तार हुए। लेकिन इन्हें कहां रखे। सभी जेल तो ठसाठस भर चुकी हैं।

स्कूलों, अस्पतालों, मैरिज लॉन को बनाया जेल

27 अक्टूबर 1990 दोपहर दो बजे देवरिया में सूचना आई कि पूर्वोत्तर (आसाम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, अरुणाचल) से दो हजार कारसेवक गुवाहाटी से भटनी जंक्शन पहुंच रहे हैं। भटनी (देवरिया जिला) के आगे ट्रेन सेवा निलंबित कर दी गई है। अब इन्हें अयोध्या भेजना, रास्ता दिखाना, भोजन की व्यवस्था करना स्थानीय कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। इधर, पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता भूमिगत हो चुके थे।

हजारों पकड़कर जेल भेजे जा चुके थे। प्रत्येक गाड़ी चेक की जा रही थी। रोडवेज की बसें निरस्त कर दी गई। जो बसें चल रही थीं उनपर पुलिस की कड़ी निगरानी और जगह-जगह चेकिंग होता। रेलवे स्टेशन पर पुलिस

भारी मात्रा में मौजूद थी। जैसे ही ट्रेन से कोई उतरता कारसेवक मानकर गिरफ्तार कर लेते।

दिन में 11 बजे भटनी स्टेशन पर करीब दो हजार कारसेवक उतरे। जिसमें विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक से लेकर विद्यार्थी, व्यवसाई, किसान, मजदूर, युवा, बुजुर्ग सभी थे। अनेक तो हिंदी बोलना या समझना भी नहीं जानते थे। उन्हें सिर्फ समझ आता जय श्रीराम। विहिप के भूमिगत पदाधिकारियों को पुलिस हर हाल में पकड़ने के लिए दिनरात भागदौड़ कर रही थी। चूहे-बिल्ली का खेल शुरू था। आखिरकार छठवीं, सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले संघ के स्वयंसेवक रेलवे स्टेशन भेजे गए। स्वयंसेवकों से कहा गया कि पूछना वाहिनी प्रमुख कौन है सुशांत दा कौन हैं?

क्या सूशना है ?

मुश्किल से पता चला वह रेलवे स्टेशन के आगे एक झोपड़ी में शाय (चाय)पी रहे हैं। आखिकार मिल गए। गुवाहाटी से ही रेडियो लेकर आए थे। रेडियो में समाचार सुन रहे थे। उनको कोडवर्ड बताया गया जिससे वह विश्वास कर लें कि हम असली कार्यकर्ता हैं। पुलिस के आदमी नहीं हैं।

पूछे क्या सूशना है? असमिया भाषा में च को श बोलते हैं। सूचना दे दी गई कि अब आपको हमें देखते हुए यहां से आगे 12 किलोमीटर खेत-खेत होते हुए चलना है। उन्होंने असमिया भाषा में अपने साथ बैठे एक युवक को कुछ कहा और हमसे कहा शलिए (चलिए)...

करीब पचास से सौ मीटर, दो सौ मीटर की दूरी बनाकर अलग-अलग जत्थे, अकेले या एक दो की संख्या में कारसेवक चलने लगे। पुलिस से बचने के लिए हर संभव उपाय होने लगा। भाषा, चालढ़ाल, किसी भी गतिविधि से किसी को न पता चले की हम कारसेवक हैं। शुरू के तीन किलोमीटर मुख्यमार्ग से पैदल चले दूसरी तरफ सड़क के समानांतर रेलवे ट्रैक और उस तरफ गड्ढा था।

तभी पुलिस की जीप आती दिखी। तो हम खेत में से होते हुए रेलवे ट्रैक पारकर गड्ढे में चले गए। कारसेवक भी तुरंत ऐसा ही किए। अब खेत-खेत, गढ्डा होते हुए चलने लगे। भटनी से सलेमपुर आना था। जहां से बस से गोरखपुर जाना था। सलेमपुर करीब तीन किलोमीटर रह गया तबतक शाम के छह बजे चुके थे।

कुछ कारसेवक बस स्टैंड के पास एक खाली गोदाम में पहुंचा दिए गए। जहां जमीन पर बिछाकर वह सो गए। जबकि करीब एक हजार कारसेवकों को शहर से पहले ही गांवों में लोगों के घरों में रोक दिया गया।

बड़ी मुश्किल थी, क्या करें, इनको कहां रोके। गांव के प्रधान से सारी बात बताई गई। रातभर रुकने और पुलिस से बचने का इंतजाम कर दीजिए। ग्राम प्रधान सहर्ष तैयार हो गए। गांव के घर-घर में आठ-दस कारसेवक रोक दिए गए। उन्होंने भरोसा दिया कि निश्चित होकर अब आपलोग जाओ। पुलिस गांव में घुसने न पाएगी।

पराली जलाने से रोकने गये अधिकारी से ही किसानों ने जलवायी पराली

पराली जलाने का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में हैं। जैसे जैसे अक्टूबर-नवंबर आता है पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने की प्रक्रिया की जाती है जिसकी वजह से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। पिछले काफी सालों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या बनी हुई है। तमाम राजनीतिक वादों के बाद भी दिल्ली की प्रदूषण की समस्या जस की टस बनी हुई है। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी की सरकार होने के कारण केजरीवाल सरकार प्रदूषण को लेकर थोड़ा सतर्क है और वह पंजाब के किसानों को पराली न जलाने का निर्देश दे रही है। ऐसे में कई जगहों पर सरकारी अधिकारी खेतों में जाकर इस्पेक्शन कर रहे हैं। किसानों को पराली न जलाने के निर्देश दे रहे हैं।अब ऐसे में पराली जलाने को लेकर किसानों की मनमानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं पराली जलाने से रोकने आये एक सरकारी अधिकारी को किसानों से चारों और से घेर लिया और खुद सरकारी अधिकारी से पराली जलवायी। इस वीडियो को देखने के बाद आप देख सकते हैं कि प्रदूषण को लेकर केजरीवाल सरकार और उनके कर्मचारी कितने गंभीर हैं।

विवादों से त्रस्त कतर 2022

कतर में फीफा विश्व कप को कई वर्षों से सबसे विवादास्पद खेल मेगा-इवेंट माना जाता है, जिसमें बुनियादी मानवाधिकार और श्रमिकों के अधिकार जैसे मुद्दे सुर्खियों में हैं।

लुसैल स्टेडियम, दोहा

$200bn विश्व कप की मेजबानी के लिए कतर द्वारा खर्च किए गए रुपयों के आंकड़े, जो कि 2018 में रूस द्वारा खर्च किए गए का लगभग 20 गुना है.

6,500 गार्जियन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 2010-21 से कतर विश्व कप के सिलसिले में मरने वाले भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के प्रवासी श्रमिकों की संख्या.

37 2014-20 से विश्व कप स्टेडियम निर्माण स्थलों पर मजदूरों के बीच मौतों की संख्या - उनमें से केवल तीन "काम से संबंधित" - कतर सरकार के अनुसार.

50 अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक अकेले 2021 में विश्व कप से जुड़ी घटनाओं में मरने वाले विदेशी मजदूरों की संख्या है.

14-18 घंटे एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, कतर में कई प्रवासी श्रमिकों द्वारा प्रति दिन काम किया जाता है, विशेष रूप से घरेलू और सुरक्षा क्षेत्रों में.

119 वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स पर 180 देशों में कतर की रैंकिंग है – 2008 में 74 के उच्च स्तर से नीचे। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि पत्रकारों को विश्व कप में निगरानी का सामना करना पड़ सकता है.

7 वर्ष विवाहेतर यौन संबंध के लिए अधिकतम जेल की सजा। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) का कहना है कि यह महिलाओं पर असमान रूप से प्रभाव डालता है, जिन पर बलात्कार की सूचना देने पर मुकदमा चलाया जा सकता है.

11 अक्टूबर 2022 में एचआरडब्ल्यू की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 और 2022 के बीच समलैंगिक, उभयलिंगी और ट्रांसजेंडर के हिरासत में दुर्व्यवहार के मामले.

स्रोत: बीबीसी, विदेश नीति, द गार्जियन

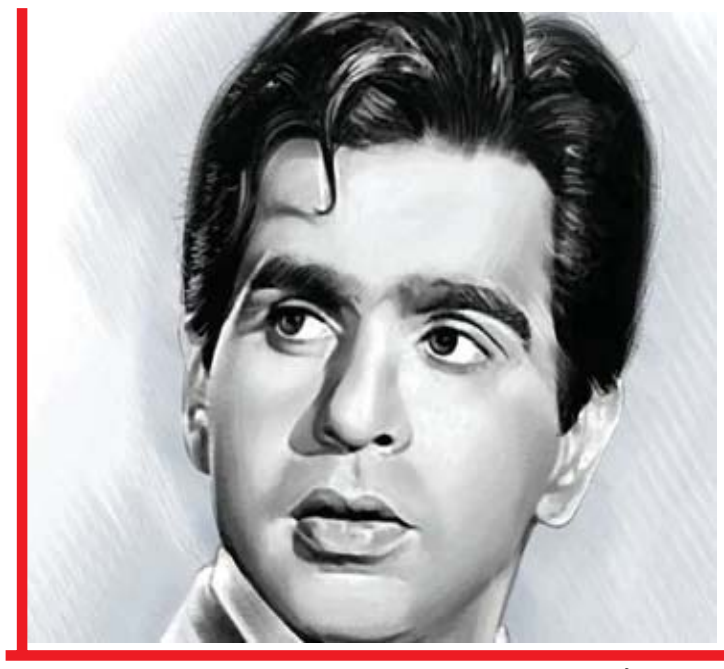

ट्रेजडी किंग से स्क्रीन लीज़ेंड के सफर में दिलीप कुमार

फिल्मों में भले ही दिलीप कुमार की शुरुआत बेहतर नहीं हुई थी लेकिन बाद में काबिलियत व मेहनत के बूते वे बॉलीवुड के ट्रेजडी किंग कहलाए। वहीं रोमानी व हास्य प्रधान भूमिकाओं में अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने दर्शकों के दिलों में वो जगह बनायी जहां संस्थाओं-सरकारों से मिले सज़्मान बौने पड़ जाते हैं। फिल्म मिलन ने उनकी सफलता के द्वार खोले, वहीं जुगनू (1947) ने बुलंदियों पर पहुंचाया। फिर बॉक्स ऑफिस पर वरदान साबित हुई शहीद के बाद उन्होंने लौटकर नहीं देखा।सही मायने में भारतीय सिनेमा के बादशाह दिलीप कुमार यानी युसूफ खान एक्टिंग के प्रतिष्ठान थे। सैद्धांतिक अभिनय शैली का निर्वहन करते हुए, उन्होंने यथार्थवादी अभिनय के अनुकरणीय मानदंड स्थापित किए। हाल ही में मौका था फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन द्वारा उनका 100वां जन्मदिन मनाने का जब उनकी चुनिंदा फिल्मों का फेस्टिवल हीरो ऑफ़ हीरोज विभिन्न शहरों के मल्टीप्लेक्सों में आयोजित किया गया। मुंबई में आयोजित समारोह में उनकी पत्नी अभिनेत्री सायरा बानो ने शिरकत की तो बॉलीवुड के कई अन्य सितारों वहीदा रहमान, आशा पारेख, बिस्वजीत, रमेश सिप्पी, प्रेम चोपड़ा आदि ने भी बॉलीवुड के इस प्रथम सुपरस्टार को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

संजीदगी और हास्य के रंग

बेहद उम्दा अभिनेता दिलीप कुमार पीढ़ी-दर-पीढ़ी नवोदित अभिनेताओं के लिए प्रेरणास्रोत बने। बहुमुखी प्रतिभा, काव्यात्मक संवाद अभिव्यक्ति और खास मुस्कान ने उन्हें ट्रेजेडी किंग की छवि से परे स्क्रीन लेजेंड बना दिया। गंभीर भूमिकाएं निभाते-निभाते वे तनावग्रस्त हुए तो डॉक्टरों ने उन्हें हास्य-भूमिकाएं करने का नुस्ख़ा सुझा दिया। उन्होंने अधिकतर मार्मिक भावनात्मकता प्रधान फिल्में की हैं, मगर हास्य-भूमिकाओं में भी वे कम नहीं थे। जहां उन्होंने हल्की-फुल्की शबनम (1949) को गंभीर अंदाज (1949) और बेहद संजीदा दाग (1952) को आन (1952) के तेजतर्रार जय के साथ संतुलित किया, वहीं ग़मगीन देवदास (1955) को हास्य से भरपूर आज़ाद (1955) द्वारा गुदगुदाया। नेहरूवादी लीडर (1964) से लेकर विधाता में अंडरवर्ल्ड डॉन तक उनके चरित्रों की लम्बी श्रृंखला है।

पेशावर से मुंबई-पुणे तक

दिलीप कुमार का जन्म मुहम्मद युसूफ खान के रूप में एक हिंदको-भाषी लाला गुलाम सरवर खान के परिवार में 11 दिसंबर 1922 को पेशावर में हुआ था। उनके पिता फल-व्यापारी थे, जिनके पेशावर और महाराष्ट्र में बाग़ान थे। 1930 में उनका परिवार मुंबई चला आयाा। युसूफ की प्राथमिक शिक्षा बार्न्स स्कूल, देवलाली (नासिक) से हुई थी। फुटबॉल उनका जुनून था, वे स्कूल में फुटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी रहे। युसूफ ने स्नातक डिग्री खालसा कॉलेज, मुंबई से प्राप्त की। वेलिंगडन क्लब पुणे में उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता पर ओजस्वी भाषण क्या दिया कि उन्हें येरवदा जेल की रोटियां खानी पड़ीं। रिहा होने के बाद वे पिता के कारोबार से जुड़ गए।

साइड हीरो से शुरुआत

1942 में उनका परिचय बॉम्बे टॉकीज की मालकिन देविका रानी से हुआ। युवा युसूफ खान के संवेदनशील चेहरे एवं अभिव्यंजक आंखों को देख वे बहुत प्रभावित हुईं। उन्होंने यूसुफ को अमिय चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित मेलोड्रामा ज्वारभाटा (1944) में साइड हीरो की भूमिका के लिए अनुबंधित कर लिया। देविका ने लेखक भगवती चरण वर्मा के सुझाव पर युसूफ खान का नामकरण दिलीप कुमार कर दिया। उर्दू भाषा के ज्ञाता होने के कारण वे बॉम्बे टाकीज में स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले लेखन में भी योगदान देते। फिल्म ज्वारभाटा टिकट-विंडो पर कुछ विशेष नहीं कर पाई। उनकी अगली फिल्म प्रतिमा (1945) भी असफल रही।

जुगनू ने बदली किस्मत

उनकी फिल्मों में शुरुआत ढुलमुल सी रही, लेकिन अंततः संकल्प व परिश्रम से बॉलीवुड में विशिष्ट स्थान बनाने में सफल हुए। जहां मिलन (1946) ने उनकी सफलता के द्वार खोले, वहीं अगले वर्ष अभूतपूर्व हिट जुगनू ने दिलीप कुमार को बुलंदियों पर पहुंचा दिया। फिर कामिनी कौशल के अपॉजिट बॉक्स ऑफिस पर वरदान साबित हुई शहीद (1948) जिसके बाद उन्होंने लौटकर नहीं देखा। उनकी जुबली हिट फिल्मों जैसे नदिया के पार, मेला, घर की इज़्ज़त, और अंदाज़ में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा।

यथार्थ और रुमानियत के भी दौर 1950 के दशक में उन्होंने जोगन,

बाबुल, दीदार और संगदिल जैसी फिल्मों के द्वारा भावनात्मक अभिनय शैली विकसित की। फिल्म जोगन (1950) में, दिलीप कुमार ने नास्तिक की भूमिका निभाई। वहीं फिल्म फुटपाथ (1953), यथार्थवादी सिनेमा के साथ उनका पहला प्रयास था, जहां वास्तविकता रूमानियत में विलीन हो गई। देवदास में अपने संजीदा अंदाज़ द्वारा देवदास सिंड्रोम का उम्दा चित्रण किया और सशक्त अभिनेता के रूप मे उभरे। नया दौर (1957) में, अंधाधुंध मशीनीकरण पर प्रहार कर मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी। मधुमती (1958) में वह फैशन आइकॉन बनकर उभरे।

कुछ प्रेम के किस्से

कामिनी कौशल से लेकर मधुबाला एवं नूतन सरीखी प्रमुख अभिनेत्रियों के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बेहतरीन रही। उन्होंने सुरैया को छोड़कर अपने दौर की सभी प्रमुख अभिनेत्रियों के साथ काम किया। पर्दे पर प्यार को परिभाषित करते दिलीप सह-नायिकाओं के प्रेम-सम्मोह से बच नहीं पाए। कामिनी कौशल निर्विवाद उनकी ड्रीम-गर्ल थीं, दोनों की ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री जबरदस्त थी। फिल्म तराना (1951) की शूटिंग के दौरान उनकी निकटता मधुबाला से भी बढ़ी। वैजयंतिमाला का नाम भी उनसे जोड़ा गया। परन्तु फिल्म झुक गया आसमान की शूटिंग दौरान उन्होंने सायरा बानो को प्रोपोज़ किया और 11 अक्तूबर, 1966 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। उनकी दूसरी शादी अस्मा बेगम से हुई थी, परन्तु शीघ्र ही तलाक हो गया।

सम्मानों की फेहरिस्त

दिलीप कुमार के जीवन व उपलब्धियों पर कई पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं, जिनमें उदय तारा नायर रचित दिलीप कुमार की आत्मकथा द सबस्टांस एंड द शैडो और फैसल फारूकी द्वारा लिखित इन द शैडो ऑफ़ ए लीजेंड प्रमुख है। दिलीप कुमार ने फिल्म दाग (1952) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का प्रथम फिल्म फेयर पुरस्कार जीता था। इसके बाद, उन्होंने आज़ाद (1955), देवदास (1956), नया दौर (1957), कोहिनूर (1960), लीडर (1964) और राम और श्याम (1967) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का यह पुरस्कार जीता। भारत सरकार ने उन्हें 1991 में पद्म भूषण और 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उन्हें 1994 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। लेकिन 1998 में पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज को स्वीकार करके वे विवादों में आ गए थे। दिलीप कुमार कैंसर से पीड़ित थे और 7 जुलाई, 2021 को उन्होंने इस नश्वर संसार को अलविदा कह दिया।

विविधता भरी भूमिकाएं

ऐतिहासक फिल्म मुगल-ए-आजम (1960) में दिलीप कुमार ने एक लाचार शहज़ादे सलीम की मजबूत भूमिका निभाई थी। फिल्म गंगा जमुना (1961) में उन्होंने ग्रामीण भारत में सामंतवादी उत्पीड़न को उजागर करते हुए अपने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। फिल्म राम और श्याम (1967) में उन्होंने जुड़वां भाइयों की अविस्मरणीय दोहरी भूमिका निभाई थी। फिल्म दास्तान (1972) में उन्होंने जज विष्णु सहाय और दीवान अनिल कुमार का डबल रोल किया था। फिर दिलीप कुमार ने फिल्म बैराग (1976) में कैलाश, भोलेनाथ और संजय की ट्रिपल भूमिका निभाई। छह साल के अंतराल के बाद, 70 एमएम स्क्रीन पर दिलीप कुमार की क्रांति (1981) आई। फिर शक्ति, विधाता, मशाल और कर्मा तक आते आते वह आधुनिक सुपर सितारों पर भारी पड़ने लगे। उनकी आखिरी फिल्म %किला% वर्ष 1998 में प्रदर्शित हुई थी। उनकी बासठ फिल्मों की समृद्ध विरासत में पंद्रह फिल्मों ने स्वर्ण जयंती मनाई, जबकि अठारह फिल्में रजत जयंती हिट रहीं।

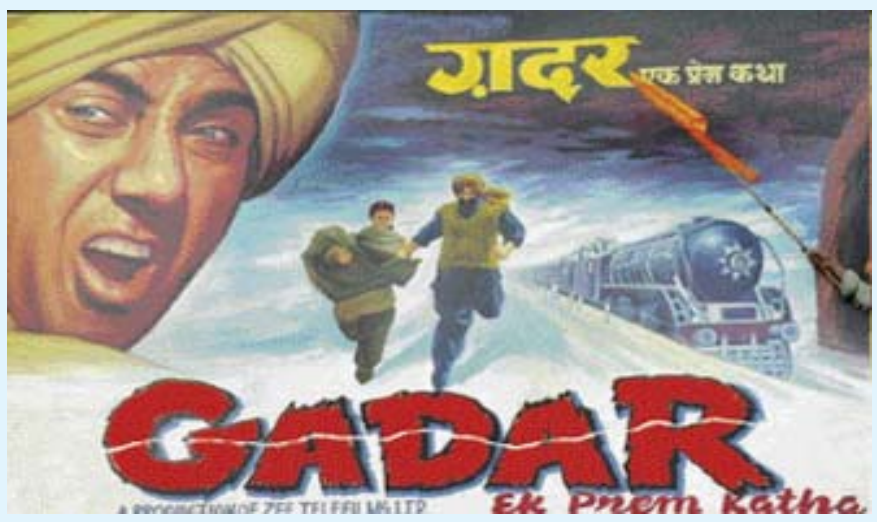

सीक्वल से पहले सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी गदर

सनी देओल अभिनीत, 2001 की ब्लॉक बस्टर फिल्म गदर एक प्रेम कथा जनवरी को दुनिया भर में सिनेमाघरों में पुन रिलीज होगी। एक अधिकारी ने बताया कि इस फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल गदर 2 द कथा कंटीन्यूज़ 11 अगस्त को रिलीज होगा, लेकिन इससे ठीक दो महीने पहले, गदर- एक प्रेम कथा को फिर से रिलीज किया जाएगा। सीक्वल का निर्देशन अनिल शर्मा ने किया है, जिन्होंने जी स्टूडियोज़ द्वारा निर्मित मूल फिल्म को भी निर्देशित किया था।प्रोडक्शन कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि गदर- एक प्रेम कथा को 15 जून 2001 को रिलीज किया गया था। फिर से इस फिल्म को इसी दिन रिलीज करने का निर्णय इसलिए किया गया ताकि गदर 2 के लिए लोगों में उत्सुकता हो। जी स्टूडियोज़ के अधिकारी के अनुसार, 'गदर के दूसरे भाग की रिलीज से पहले जी स्टूडियोज़ ने, इसके पहले भाग को उसी तरह डिजिटल माध्यम से संरक्षित कर नए प्रारूप में रिलीज करने की योजना बनाई है जैसे अवतार को फिर से रिलीज़ किया गया था।गदर एक प्रेम कथा एक सिख युवक तारा सिंह (सन्नी देओल) की कहानी है, जिसे एक पाकिस्तानी मुस्लिम लड़की सकीना (अमीषा पटेल) से प्यार हो जाता है। सीक्वल में, सनी देओल और अमीषा पटेल अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाएंगे। गदर फिल्म और आमिर खान अभिनीत लगान एक ही दिन रिलीज हुई थीं। इसे उस दौर में बॉक्स ऑफिस की सबसे बड़ी लड़ाई कहा गया था। बहरहाल, दोनों ही फिल्में सुपरहिट हुईं और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी।

आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी, 'द कश्मीर फाइल्स, 'कंतारा ऑस्कर की रिमाइंडर सूची में शामिल

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (एएमपीएएस) ने ऑस्कर के लिए योग्य 301 फीचर फिल्मों की सूची जारी की है जिनमें 'आरआरआर, 'गंगूबाई काठियावाड़ी, 'द कश्मीर फाइल्स और 'कंतारा जैसी भारतीय फिल्में शामिल हैं। 'रिमाइंडर सूची में ऐसी फिल्में शामिल हैं जो आधिकारिक तौर पर विभिन्न श्रेणियों में दूसरी फिल्मों को टक्कर देंगी। हालांकि केवल सूची में शामिल होने से यह गारंटी नहीं है कि फिल्म 24 जनवरी को घोषित होने वाले अकादमी पुरस्कारों के अंतिम नामांकन में भी होंगी।**आरआरआर**-भारत की ओर से आधिकारिक रूप से ऑस्कर भेजी गई पान नलिन की 'छेलो शो के अलावा विवेक अग्निहोत्री की 'द कश्मीर फाइल्स, मराठी फिल्म 'मी वसंतराव, 'तुझ्या साठी काही, आर माधवन की 'रॉकेटरी-द नंबी इफैक्ट, 'इराविन निझल और कन्नड़ फिल्म 'विक्रांत रोना भी इस सूची में शामिल हैं। भारतीय फिल्म 'छेलो शो, 'आरआरआर, 'ऑल दैट ब्रीथ्स और 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स पहले ही चार श्रेणियों के लिए ऑस्कर की 'शॉर्टलिस्ट में जगह बना चुकी हैं। यह संभवतः पहली बार है जब भारत ने चार श्रेणियों में ऑस्कर 'शॉर्टलिस्ट में जगह बनाई है। इस प्रक्रिया के बाद ही अंतिम नामांकनों की घोषणा की जाती है।

रामानंद बने सिनेमा, टीवी की किंवदंती

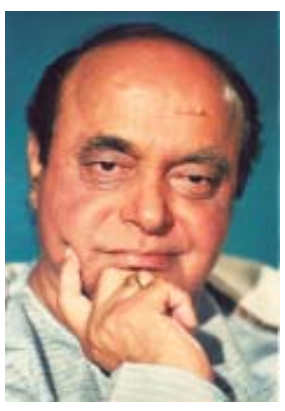

दुनिया रामानंद सागर को लोकप्रिय धारावाहिक रामायण के निर्माता के तौर पर जानती है। लेकिन फिल्मों के लिए संवाद-पटकथा लेखन व निर्माता-निर्देशक के रूप में उनके संघर्ष से कम ही लोग परिचित होंगे। वहीं उन्होंने कई टीवी सीरियल भी बनाए। असल में, उनके जीवित किंवदंती बनने का आधार उनकी संवेदनशील सृजन धर्मिता रही।लाहौर या अमृतसर के गलियां-बाज़ार हों या फिर दिल्ली-मुंबई की गहमागहमी, 1980 के दशक के अंत में प्रत्येक रविवार सुबह के नौ बजते ही देशभर में सड़कें निर्जन प्रतीत होती थीं, क्योंकि उस समय निर्माता-निर्देशक रामानंद सागर द्वारा निर्मित धारावाहिक रामायण का दूरदर्शन पर प्रसारण किया जाता था। मंत्रमुग्ध दर्शक टीवी के सामने नतमस्तक होकर रामायण का रसास्वादन करते थे, यह वस्तुतः किसी अलौकिक चमत्कार से कम नहीं था।

चंद्रमौली से रामानंद बेदी

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, रामानंद सागर का जीवन एक रोमांचक उपन्यास की तरह था। भाग्यचक्र ने उन्हें पैदा किया एक धनाढ्य परिवार में, पालन-पोषण हुआ अभावग्रस्त ननिहाल में, कड़ी मेहनत-लगन ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया का बेताज बादशाह बना दिया। चंद्रमौली (रामानंद सागर) का जन्म असल-गुरु-के (लाहौर) में 29 दिसंबर, 1917 को हुआ था। उनके पिता दीनानाथ चोपड़ा एक कारोबारी थे और 'पेशावरी' उपनाम से शायरी भी करते थे। जब नानी ने गोद लिया, तो चंद्रमौली, रामानंद बेदी कहलाये। कश्मीर की शीतल हवाओं ने उनकी तरुणाई को महकाया तो रामानंद कश्मीरी बन गए। बम्बई को अपनी कर्मभूमि बनाया तो विशाल लहरों की छूअन पाकर रामानंद सागर हो गए।

साहित्य-सृजन और पत्रकारिता

डीएवी हाई स्कूल, लाहौर से मैट्रिक करने के पश्चात उन्होंने श्रीप्रताप कॉलेज, श्रीनगर में दाखिला लिया जहां उन्होंने लेखन-प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर से संस्कृत में स्नातक डिग्री प्राप्त की।

तपेदिक का शिकार हुए तो बिस्तर पर लेटे-लेटे टीबी के एक मरीज की डायरी नामक पुस्तक लिख डाली। वे एक संवेदनशील लेखक के रूप में उभरे। उन्होंने पत्रकारिता उर्दू अखबार मिलाप से शुरू की व साहित्य-सृजन जारी रखा। उनकी गणना उर्दू के श्रेष्ठ लेखकों कृष्णचंदर व राजेन्द्र सिंह बेदी आदि में होने लगी।

लेखन के जुनून से सिनेमा तक

पंचोली स्टूडियो, लाहौर की फिल्म राइडर्स ऑफ़ द रेलरोड(1936) में क्लेपर-बॉय का काम किया। बाद में पंचोली ने उन्हें पंजाबी फिल्म कोयल (1942) में अभिनय का अवसर भी दिया। पूना में दो वर्ष फिल्म-लेखन करने के बाद वे लाहौर वापस लौट आए। देश-विभाजन की विभीषिका से व्यथित हो उठे थे। स्वरचित पाण्डुलिपियों से भरा ट्रंक लिए मुश्किलों से श्रीनगर पहुंचे, तो उनकी सारी वेदना और इंसान मर गया उपन्यास के रूप में उमड़ पड़ी। सूचना अधिकारी का पद ठुकराकर वे मुंबई में पृथ्वी-थियेटर्स से जुड़ गए। उनके 'कलाकार' और 'गौरव' नाटकों से प्रभावित होकर राज कपूर ने उन्हें फिल्म %बरसात%(1949) की कहानी,पटकथा व डायलॉग लिखने को अनुबंधित किया। बरसात की सफलता के बाद रामानंद को ढेरों ऑफर मिलने लगे।

निर्माण-निर्देशन का दौर

उन्होंने अपने बैनर सागर आर्ट्स के अंतर्गत फिल्म मेहमान(1953) का निर्माण किया, जो बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। उनकी दूसरी फिल्म बाजूबंद का भी यही हश्र हुआ। फिल्म-निर्माण का मोह त्याग कर, उन्होंने तीस से अधिक फिल्मों की कहानियां/पटकथाएं लिख डालीं, जिनमें कोहिनूर, संगदिल, इंसानियत, घूंघट, पैगाम और जिंदगी उल्लेखनीय हैं। उन्होंने जैमिनी स्टूडियो के लिए घूंघट और जिंदगी फिल्मों का निर्देशन भी किया। फिर अपने बैनर तले आरजू (1965), आंखें (1968), गीत (1970), ललकार (1972), जलते बदन (1973), चरस (1976) तथा प्रेम बंधन (1979) जैसी रोमांटिक व संगीत-प्रधान फिल्मों का निर्माण किया।

टीवी की दुनिया में

फ्रांस में फिल्म चरस की शूटिंग के दौरान, जब उन्होंने एक स्थानीय परिवार के साथ टीवी पर कार्यक्रम देखे, तो रामानंद को भारत में टेलीविज़न का उज्ज्वल भविष्य नज़र आया। उन्होंने 1985 में टेलीविज़न की दुनिया में कदम रखा। धारावाहिक विक्रम और बेताल से आरम्भ कर उन्होंने पौराणिक कथाओं पर आधारित रामायण, श्री कृष्ण एवं लव कुश आदि धारावाहिक बनाए।

इतिहास रचा रामायण से

मूलतः ऋषि वाल्मीकि की कृति पर आधारित डेढ़ वर्षीय श्रृंखला रामायण की प्रथम कड़ी का प्रसारण 25 जनवरी 1987 को दूरदर्शन पर किया गया। शीघ्र ही इस धारावाहिक ने भारतीय टेलीविजन पर इतिहास रच डाला। विश्वभर में विभिन्न चैनलों पर प्रसारित भव्य सीरियल %रामायण% को साप्ताहिक अनुमानित 40 मिलियन दर्शकों ने देखा। %रामायण% की सफलता ने रामानंद सागर को एक जीवित किंवदंती बना दिया था। भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से भी अलंकृत किया। 11 दिसम्बर, 2005 को रामानंद सागर अपनी अनंत यात्रा पर निकल गए।

हत्या के वक्त पड़ोस के कमरे में थे रचिता और शिवा, घुटनों के बल बैठकर रस्सी से कसा था गला

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर में कुशाग्र हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस को ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिससे साफ है कि प्रकरण में रचिता और शिवा की भी बराबर की भागीदारी रही है। हाते के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालने पर पुलिस को पता चला कि जिस वक्त कुशाग्र की हत्या की गई, उस वक्त तीनों आरोपी एक ही परिसर में थे।

पुलिस ने जब हाते के बाहर लगे फुटेज को खंगाला, तो नजर आया कि प्रभात स्कूटी से कुशाग्र को अपने साथ लेकर हाते पहुंचा था। वह कुशाग्र को साथ लेकर अपने कमरे में चल गया। इस कमरे में प्रभात कुशाग्र के साथ करीब आधे घंटे तक रहा। इसके बाद वह कमरे से अकेला बाहर आया और पड़ोस के कमरे में चला गया।

करीब 45 मिनट बाद जब प्रभात इस कमरे से बाहर आया, तो उसके साथ में रचिता और शिवा भी बाहर निकलते नजर आए। इससे साफ है कि हत्या के वक्त रचिता और शिवा भी पास के कमरे में ही थे। इसके बाद तीनों अलग-अलग दिशा में अपने पहले से तय प्लान के मुताबिक निकल गए।

चेहरों के मिलान के लिए लैब भेजा फुटेज

पुलिस ने बरामद फुटेज से आरोपियों के चेहरे मिलवाने के लिए उसे फोरेंसिक लैब भेजा है। इसे साक्ष्य के तौर पर चार्जशीट के साथ कोर्ट में दाखिल किया जाएगा। पुलिस मामले में हर साक्ष्य को वैज्ञानिक परीक्षण की रिपोर्ट के साथ कोर्ट में दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

प्रभात ने जब कुशाग्र का गला रस्सी से कसा था, तो अधिक ताकत लगाने के लिए वह घुटनों के बल बैठा था। गले पर रस्सी कसने से कुशाग्र का मुंह खुल गया और मुंह ऊपर की ओर उठ गया था। इसका खुलासा फोरेंसिक टीम की जांच में हुआ। फोरेंसिक एक्सपर्ट के अनुसार कुशाग्र के बचने की कोई गुंजाइश न रहे। इसके लिए प्रभात ने रस्सी को दोहरा करके गला कसा था। इसके चलते उसके गले में गोलाकार निशान बन गया था।

कस्टडी रिमांड के लिए पुलिस ने कोर्ट में दी अर्जी

जेल में बंद कुशाग्र अपहरण एवं हत्याकांड के आरोपियों प्रभात शुक्ला, रचिता वत्स और शिवा की पांच दिन की कस्टडी रिमांड लेने के लिए पुलिस ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर दी है। रिमांड मंजूर होने पर पुलिस पूरी घटना को री-क्रिएट करेगी। साथ ही तीनों की प्रकरण में भूमिका का भी पता लगाएगी।

हत्या के पीछे कारण क्या था

पुलिस अभी तक यह साफ नहीं कर पाई है कि हत्या के पीछे कारण क्या था। प्रभात ने पुलिस को जो कहानी बताई थी वो पुलिस की जांच से इतर है। पुलिस को जो साक्ष्य मिले हैं, उससे पैसों के लिए ही कुशाग्र का अपहरण और हत्या की आशंका है। इसके अलावा अपहरण से पहले कौन कहां था और क्या कर रहा था?

रचिता और शिवा बगल के कमरे में क्यों बैठे थे

प्रभात से चोरी की बरामद बाइक को लेकर सवाल किए जाएंगे। रचिता और शिवा बगल के कमरे में क्यों बैठे थे? और प्रभात ने कुशाग्र की हत्या के बाद कमरे में आकर क्या कहा? पूरी घटना को री-क्रिएट करेगी। साथ ही तीनों की प्रकरण में भूमिका का भी पता लगाएगी।

इन सवालों के भी तलाशे जाएंगे जवाब

प्रभात ने कुशाग्र से ऐसी क्या बात बोली कि वह बिना किसी विरोध के उसके घर चला गया प्रभात और कुशाग्र पहली बार ऐसे गए या इससे पहले भी वह आते-जाते रहे थे। अगर फिरौती ही वसूलनी थी तो उसे पहले ही क्यों मार डाला। कहीं किसी और फोन में वीडियो, तो नहीं बनाया फिरौती वाले पत्र में अल्लाह-हू-अकबर लिखकर क्या जताना चाहता था हत्या करने के बाद शव का क्या करना था। कहां ठिकाने लगा था और कैसे लगाना था अपहरण और हत्या में प्रभात का साथ सिर्फ रचिता व शिवा ने दिया या और भी शामिल था।

महिलाओं, बच्चों व कमजोर वर्ग को निशुल्क विधिक सहायता और सलाह प्राप्त कराने के लिए हुआ शिविर का आयोजन

विनय कुमार

कानपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर के पीएलवी श्रीमती प्रभा पांडे, श्रीमती रेखा शुक्ला और श्री प्रसून सोनकर द्वारा दिनांक 3 नवंबर 2023 को कंपोजिट विद्यालय हाता सवाई सिंह खंड सदर बाजार के अध्यनरत विद्यार्थियों को विधिक परामर्श प्रदान किया गया।

जिसमें विभिन्न प्रकार की आपदा, हिंसा, बाढ़, भूकंप,मानव तस्करी से आहत घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ से संबंधित मामले ,भेदभाव से संबंधित मामले, कार्य स्थल पर सेक्सुअल हैरेसमेंट से संबंधित मामलेऔर हड्ड एक्ट 138 से संबंधित वादों का निस्तारण आदि पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय में विवेक कटियार, श्रीमती शशि बाला त्रिपाठी, श्रीमती जरीन नाज खान, अनुज कुमार गुप्ता, विनय कुमार दीक्षित शिक्षक उपस्थित रहे।

55 यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में 'रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन

कानपुर। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के द्वारा एवं 55 यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल जिन्होने राष्ट्र की एकता के लिए अपना योगदान दिया और जिन्हें 'लौह पुरुष' के नाम से भी जाना जाता है के प्रेरक प्रसंग से कैडेट्स एवं भावी नागरिकों को प्रेरित किया और सरदार पटेल के जीवन व्यक्तित्व एवं उपलब्धियों पर गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखें।ब्रिगेडियर संदीप पाल सिंह रौतेला, ग्रुप कमाण्डर एनसीसी ने झण्डा दिखाकर गैरिसन गाउण्ड कैण्ट से 5 किमी दौड़ का शुभारम्भ किया। जिसमें कानपुर ग्रुप के सभी ऑफीसर, सहयोगी एनसीसी अधिकारी एवं 500 कैडेट्स जो कानपुर नगर, कानपुर देहात, महोबा और हमीरपुर के थे ने हिस्सा लिया।कानपुर नगर की महापौर श्रीमती प्रमिला पाण्डेय जो कि समाजसेवा की प्रतिमूर्ति एवं मुख्य अतिथि थी, ने कैडेट्स को अपने सम्बोधन से उत्साहित किया और उन्हे बहुत सी शुभकामनाएं दी। उसके पश्चात एनसीसी ग्रुप कमॉण्डर ब्रिगेडियर संदीप पाल सिंह रौतेला ने अपने सम्बोधन में लौह पुरूष सरदार पटेल के एकता और देश की सुरक्षा के लिए किये गये कार्यों को याद किया और एनसीसी कैडेट्स को प्रेरणादायी प्रसंग बताये। कर्नल समीर कुमार कौशिक, कमान अधिकारी 55 यूपी बटालियन एनसीसी, कानपुर ने रन फॉर यूनिटी दौड़ का सफल आयोजन किया। इस दौड़ में 500 एनसीसी कैडेट्स 05 ए0एन0ओ0 06 जी0सी0आई0 एवं 15 जे0सी0ओ0 एवं 50 एन0सी0ओ0 ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

एनसीसी के अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार द्वारा एनसीसी ग्रुप कानपुर का निरीक्षण किया गया

कानपुर। एनसीसी के अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार द्वारा एनसीसी ग्रुप मुख्यालय कानपुर आज दिनांक 02 नवम्बर 2023 को निरीक्षण किया गया। अपर महानिदेशक एनसीसी मेजर जनरल विक्रम कुमार ने एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के कमाण्डर ब्रिगेडियर संदीप पाल सिंह रौतेला एवं अन्य अधिकारियों से मुलाकात की फिर एनसीसी की प्रमुख उपलब्धियों एवं कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्या के बारे में जानकारी प्राप्त की।अपर महानिदेशक एनसीसी मेजर जनरल विक्रम कुमार ने ब्रिगेडियर संदीप पाल सिंह रौतेला ग्रुप: कमाण्डर एनसीसी के साथ उन्होंने कैम्प के संचालन के बारे में जानकारी हासिल की एवं ट्रेनिंग एरिया, फायरिंग, ड्रिल, ऑब्सटेकल ट्रेनिंग का निरीक्षण किया। टी0ए0 द्वारा दायों रिमेडियेशन के द्वारा पर्यावरण सुरक्षा पर लेक्चर दिया गया। उसके उपरान्त अपर महानिदेशक एनसीसी विक्रम कुमार ने कॅडेट्स से वार्तालाप किया और दिशा निर्देश देकर उनका प्रेरित किया।अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार द्वारा ए0एन0ओ0 जी0सी0आई0, कैडेट्स और पी0आई0 को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मेडोलियन और अवार्ड दिये गये। इसके पश्चात अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार द्वारा 3 यूपी एअर स्क्वैड्रेन एनसीसी में माइकोलाइट एरोप्लेन, एरोमॉडलिंग, माइकोलाइट सेमुलेटर रूम को निरीक्षण किया गया। कैडेटों से संवाद किया गया। एअर उड़ान के द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया और होने वाली नई गतिविधियों के बारे में अपने विचार साझा किये।

प्रवर्तन दल ने सटीक मुखबरी पर थर्मोकोल और प्लास्टिक ग्लास लदी पकड़ी दो गाड़ी

कानपुर। सटीक मुखबरी पर, नगर निगम प्रवर्तन अधिकारी कर्नल आलोक नारायण के नेतृत्व में देर रात प्रवर्तन दल द्वारा रामादेवी फ्लाईओवर पर नाका लगाया गया।रात तकरीबन 12 बजे एक डीसीएम ट्रक यूपी40एटी2767 पकड़ा गया जो थर्मोकोल की प्लेट/कटोरियों की खेप रनिया स्थित सरसों ऑइल्स नामक कंपनी के गोदाम से नानपारा ले जा रहा था।एक पिकअप ट्रक यूपी 78एफटी1363 भी पकड़ा गया जो प्लास्टिक ग्लास के 90 कार्टन अवस्थी ट्रेडिंग कंपनी के पनकी स्थित गोदाम से बशीरतगंज, लखनऊ ले जा रहा था। इस वर्ष यह अवस्थी ट्रेडिंग की पांचवी गाड़ी प्रवर्तन दल द्वारा पकड़ी गई है। बिल्टी में पेपर कप लिखे थे लेकिन गाड़ी में प्रतिबंधित ग्लास लोड थे।दोनो गाड़ियों को तत्काल नगर निगम लाया गया और दोनों से कुल एक टन प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई जिसको सुबह तीन कंपैक्टर गाडियों से नष्ट कर पनकी कूड़ा प्लांट भिजवा दिया गया। राजस्व निरीक्षक शेख नफीस द्वारा डीसीएम ट्रक से 90 हजार जुर्माना वसूलकर ट्रक छोड़ दिया गया। पिकअप मालिक द्वारा जुर्माना देर शाम तक जमा नहीं होने के कारण इसको नगर निगम परिसर में ही खड़ा किया गया है। इस अभियान में प्रवर्तन दल के सूबेदार अवधेश सिंह, वीरेंद्र स्वरूप, रामेंद्र सिंह, हवलदार राम नरेश, भूपेंद्र सिंह इत्यादि शामिल रहे।

तहसील एवं प्रशासन ने कब्जा किए गए चक रोड को तोड़कर कब्जा कराया

कानपुर। भाजपा नेता दिनेश अवस्थी ने मृत्यु व्यक्ति भगवान दास, जिसकी संपत्ति बैंक में बंधक थी उनके बच्चों को लालच देकर उसकी खरीद कर ली बैंक में बंधक होने के बावजूद भी फर्जी तरीके से दूसरे को विकृत कर दिया आज सत्य का सामना करते हुए न्यायालय डीआरटी इलाहाबाद ने, रामू जयसवाल को कानूनी व्यवस्था से कब्जा दिलाने की पूर्ण व्यवस्था को डीआरटी के आदेश अनुसार संपन्न कर दिया।भल्ला परिवार के बदतमीजी करने के बावजूद भी पुलिस प्रशासन और तहसील प्रशासन ने डीआरटी इलाहाबाद द्वारा निर्गत आदेश की उनको जानकारी दी। उसके बावजूद भी वह इलाहाबाद से आए एडवोकेट कमिश्नर, तहसीलदार द्वारा निर्देशित किए गए लेखपाल और पुलिस कमिश्नर द्वारा दिए गए पुलिस बल से भी वह बदतमीजी करते रहे, मौके पर जमीन के पार्टनर नरेंद्र सिंह (पिंटू ठाकुर), पदम तिवारी एवं तमाम अधिवक्ता उपस्थित रहे।

पतारा में दुकान के बाहर रखा अल्टीनेटर चोरी

मौके पर पहुंचीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज रही खंगाल

घाटमपुर। पतारा कस्बे में देर रात चोरों ने एक दुकान के बाहर रखा अल्टीनेटर चोरी कर ले गए है। सुबह दुकानदार दुकान खोलने पहुंचा तब उसे चोरी की घटना का पता चला। दुकानदार ने पतारा चौकी पहुंचकर पुलिस से मामले की शिकायत की है। मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज समेत हाइवे किनारे लगे कई सीसी टीवी कैमरे की फुटेज को देखा है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के संचितपुर गांव निवासी विवेक कुमार ने पतारा चौकी पहुंचकर पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि उसकी पतारा कस्बे में कानपुर-सागर हाइवे किनारे स्थित साक्षी स्टूडियो एवं प्रिंट्स के नाम से दुकान है। दुकान के बाहर उसका जनरेटर और अल्टीनेटर रखा था। बीती रात अज्ञात चोरों ने दुकान के बाहर रखा अल्टीनेटर चोरी कर अपने साथ ले गए है। दुकानदार सुबह दुकान खोलने पहुंचा तब उसे घटना की जानकारी हुई। दुकानदार ने उप्र आदर्श व्यापार मंडल पतारा अध्यक्ष गोपाल दुबे समेत पुलिस को घटना की सूचना दी है। सूचना पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाने के साथ दुकान में लगे सीसी टीवी फुटेज को देखा पर उसमे कुछ दिखाई नहीं दिया। जिसपर पुलिस ने आसपास हाइवे किनारे लगे सीसी टीवी फुटेज खंगाले है। घाटमपुर थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।

पति से नाराज होकर पत्नी ने लगाई फांसी

पति से की थी नए कपड़े दिलाने की मांग

कानपुर। कानपुर के सेन पश्चिमपारा क्षेत्र में सिर्फ एक पत्नी ने इस बात पर खुद को फांसी लगा ली, कि उसने अपने पति से नए कपडे दिलाने की बात कही थी, और पति ने कहा था कि वेतन मिलने के बाद व कपडे लेकर देगा। फिलहाल पडोसियों द्वारा पुलिस का घटना की जानकारी दी गयी।मामला कानपुर सेन पश्चिपारा क्षेत्र का है, जहां के दीनदयालपुरम तौधकपुर निवासी लोडर चालक का काम करने वाले हियादत उल्ला बेग की शादी आवास विकास निवासिनी 23 वर्षीय जोया बेगम के साथ चार वर्ष पूर्व हुई थी।इनका एक ढाई साल का पुर रेहान भी है। घटना की बाबत पडोसियों ने बताया कि नए जोया ने अपने पति हियादत से नए कपडे दिलाने की बात कही थी, जिसपर पति ने जोया से वेतन मिलने के बाद नए कपडे दिलाने की बात कही थी। इस बात से नाराज होकर जोया ने अपने कमरे के दरवाजे को अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। पडोसियों ने घटना की जानकारी हिदायत को दी।

पृथ्वी बचाने को जागरूक करने के लिए नौनिहालों ने किया कार्यक्रम

कानपुर। रोज़ बड्स प्ले स्कूल के नौनिहालों ने लवली वाटिका गेस्ट हाउस में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पृथ्वी को बचाने की भावना व भगवान राम की वापसी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। स्कूल की प्रधानाचार्य सुरभि मगन ने बताया कि छात्राओं के प्रदर्शन एवं कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से युवा पीढ़ी में पर्यावरण जागरूकता सांस्कृतिक विरासत और संगीत के प्रति प्रेम पैदा करने के महत्व पर प्रकाश डाला।पर्यावरण को सुरक्षित करने की आवश्यकता हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्व और संगीत का शाश्वत आनंद यह एक समग्र शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नन्हे नौनिहालों ने प्रभावशाली वेशभूषा एवं विस्तृत सेट के साथ अभिभावकों को प्राचीन काल में वापस ले जाकर सांस्कृतिक गौरव की भावना पैदा की।

खुदरा व्यापारियों के समर्थन में सपा की ऑनलाइन मार्केटिंग के बहिष्कार की अपील

कानपुर।समाजवादी व्यापार सभा कानपुर नगर के खुदरा,फुटकर और छोटे दुकानदारों के समर्थन में ऑनलाइन व्यापार के खिलाफ पदयात्रा का कार्यक्रम कैनाल रोड,एक्सप्रेस रोड,नयागंज आदि क्षेत्रों में आयोजित किया गया।ऑनलाइन खरीदारी के विरोध में घर से निकल कर दुकानदारों से ही खरीदारी करने की अपील के साथ पदयात्रा का आयोजन हुआ।लोगों से अपील करी की अपने आस पास के दुकानदारों की मदद के लिए घरों से निकल कर खरीदारी करें और संकल्प लें की इस त्यौहार ऑनलाइन खरीदारी नहीं करेंगे।सपा के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता अभिमन्यु ने बताया की नोटबन्दी,जीएसटी,लौकडाउन,मंदी व महँगाई से सबसे ज्यादा छोटा व्यापारी व दुकानदार टूटा हुआ है।हमसब को मिलकर दुकानदार भाइयों की मदद करनी है।ऑनलाइन व्यापार के कारण छोटे दुकानदार बर्बाद हो गए हैं।समाजवादी व्यापार सभा की सभी कानपुर जिला इकाईयों ने

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पदयात्रा आयोजित कर व्यापारी समाज को संदेश दिया है की भाजपा ने हमेशा छोटे व्यापारियों को छला है और केवल सपा सरकार में ही छोटे व्यापारी सम्मान से जी पाए हैं।कानपुर नगर अध्यक्ष सपा फजल महमूद ने बताया की पहले ही भाजपा के राज में नोटबंदी,जीएसटी और इंस्पेक्टर राज के कारण छोटा व्यापारी त्राहि त्राहि कर रहा है।व्यापार सभा कानपुर नगर अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने कहा की चौपट होता खुदरा व्यापार कारण जिसका ई व्यापार का नारा देकर दुकानदार भाइयों से खरीदारी करने की अपील के साथ सरकार से छोटे व्यापारियों को संरक्षण देने की मांग की।समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता,सपा नगर अध्यक्ष फजल महमूद और नगर अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने भाजपा सरकार से मांग करी की ऑनलाइन बिक्री पर खुदरा व्यापारियों को संरक्षण देने के लिए अतिरिक्त टैक्स लगाया जाए,ऑनलाइन कंपनियों को पंजीकरण में मिल रही छूट बंद की जाएं और सरकार कानून के तहत सुनिश्चित करे की ऑनलाइन और खुदरा की बिक्री दरें एक हों।जफरूल हसन,महेश गुप्ता,चंकी गुप्ता,मिंटू यादव,बलवंत सिंह,सुलेखा यादव,रमेश यादव,प्रशांत जायसवाल,सुनील यादव आदि थे।

राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन व वर्तमान परिपेक्ष में पत्रकारिता की भूमिका नामक संगोष्ठी का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर, इंडियन जनरलिस्ट एसोसिएशन कानपुर इकाई द्वारा स्थानीय स्टॉक एक्सचेंज ऑडिटोरियम सिविल लाइंस कानपुर में राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन व वर्तमान परिपेक्ष में पत्रकारिता की भूमिका नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी द्वारा किया गया।सम्मेलन वर्तमान परिपेक्ष्य में पत्रकारिता की भूमिका विषयक संगोष्ठी में बोलते हुए कानपुर के अति वरिष्ठ पत्रकार डॉ रमेश वर्मा ने इस विषय पर जोर दिया कि पत्रकारों को पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों का पालन अवश्य करना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार अंजनी निगम ने पत्रकारों को अच्छी पत्रकारिता के टिप्स दिए तो जुबैर अहमद फारूकी ने उर्दू पत्रकारिता के गुणों से पत्रकारों को अवगत कराया। हिंदुस्तान टाइम्स के पत्रकार हैदर नकवी ने अंग्रेजी पत्रकारिता में क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए के संबंध में पत्रकारों को अवगत कराया।

इस अवसर पर गणेश शंकर विद्यार्थी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से डॉ रमेश वर्मा, अंजनी निगम,जुबैर अहमद फारूकी व मजहर अब्बास नकवी को सम्मानित किया गया।वही पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य हेतु रूपेश मिश्र, सुनीत पाण्डेय, शिनावर गौरी, प्रवीण तिवारी,कु0 फरहा दीबा, हैदर नकवी, अभिषेक त्रिपाठी व अश्विनी दीक्षित को पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य के साथ एसोसिएशन के संरक्षक का दायित्व निभाने पर विशेष तौर पर सम्मानित किया गया।सम्मेलन में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग की गई साथ ही छोटे अखबार व पोर्टल चौनल को सरकार द्वारा संरक्षित किए जाने व उनके लिए सरल नियमावली की मांग की गई, जो सदन में एक मत से पारित हुई।

विशिष्ठ अतीत के रूप में सिद्धार्थ काशीवार प्रमोद द्विवेदी एडवोकेट अध्यक्ष बार एसोसिएशन कानपुर मुही खान अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष मुकीम अहमद कुरैशी द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन संस्था के संरक्षक अश्विनी दीक्षित ने किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय महासचिव गिरिराज सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतेन्द्र मिश्रा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सलमान अहमद के साथ झारखण्ड से वरिष्ठ पत्रकार देव आनंद सिन्हा, मधु सिन्हा मध्य प्रदेश से मो0 अशफाक आरिफ, सलामुद्दीन, अनवारूल हक आदि के साथ नेपाल से गोरखा पत्र के वरिष्ठ पत्रकार सिराजुद्दीन खान सहित भारत के 12

राज्यों के पत्रकारों ने हिस्सा लिया। वही उत्तर प्रदेश के कानपुर, कानपुर देहात, उन्नाव, मैनपुरी, लखनऊ, कन्नौज, बाराबंकी के साथ लगभग 12 जिलों के पत्रकारो के साथ जर्नलिस्ट क्लब, इलेक्ट्रॉनिक प्रेस क्लब, पत्रकार क्लब आफ इंडिया आदि संगठनों के पत्रकारों ने सम्मेलन में शामिल होकर सम्मेलन को सफल बनाया।अतिथियों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव महामंत्री हफीज अहमद खान ने दिया कार्यक्रम का आयोजन में तौहीद अहमद, इरशाद सिद्दीकी, नाजिम खान अमित त्रिवेदी, शाहरुख वारसी, अमन कृष्णा अवस्थी आदि का प्रमुख सहयोग रहा।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।